संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 04
पृष्ठ 8
शुक्रवार
19 सितंबर 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जामुन खाने के बाद बीज फेंकते हैं?...
विचार- शांति प्रयासों की असफलता
खेल- भारत के बाद पाकिस्तान टीम भी...

नवंबर में होगी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी : योगी

धरातल पर उतरेंगी 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाये

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार 5 लाख करोड़ रूपये से अधिक की निजी निवेशपरियोजनाओं के साथ पांचवें ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी नवम्बर माह में होगी। उन्होंने किसानों से भावात्मक संबंध बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा दर बढ़ाने पर विचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को आवंटित भूमि अगर तीन साल में उपयोग न आई तो आवंटन रदद होगा। मुख्यमंत्री ने आज गुरुवार को औद्योगिक विकास विभाग की बैठक में यह निर्देश दिए। अब तक 15 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं तथा 60 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी एवं रोजगार की गारंटी मिली। औद्योगिक प्राधिकरण भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे की दर में बढ़ोतरी पर विचार करें। उन्होंने कहा कि अपनी भूमि के साथ हर किसी का भावनात्मक संबंध होता है। यदि प्रदेश हित में उनकी भूमि का अधिग्रहण आवश्यक है तो उन्हें अच्छा मुआवजा मिलना चाहिए। संवाद और समन्वय से काम आसान हो सकता है। औद्योगिक विकास प्राधिकरण अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप भूमि अधिग्रहण के लिए वर्तमान मुआवजे की दर में बढ़ोतरी पर विचार करें। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी में से किसी एक क्षेत्र में फिनटेक हब विकसित किया जाए। बड़े बैंकिंग संस्थाओं के कार्यालय हों। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्यात को और बेहतर करने के लिए नियोजित प्रयास की आवश्यकता है। भूमि आवंटन के उपरांत भूमि का समुचित उपयोग न करने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि आवंटन अधिकतम तीन वर्षों के उपरांत रद कर दिया जाए। वह भूमि अन्य निवेशक को आवंटित किया जाना चाहिए। उन्होंने निवेश मित्र और निवेश सारथी पोर्टलों को और अधिक सहज व सरल बनाये जाने की आवश्यकता बताई। निवेशक छोटा हो या बड़ा, कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। 22 सितम्बर से प्रभावी हो रहे जीएसटी सुधारों का लाभ हर नागरिक को मिलना चाहिए। सीएम ने आशा जताई कि आम आदमी को सीधा लाभ होगा। रोजगार जोन के लिए जमीन उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित विशेष रोजगार जोन के विकास की कार्ययोजना पर चर्चा की। चरणबद्ध रूप से सभी जिलों में कम से कम 100 एकड़ में रोजगार जोन का विकास किया जाना है, भूमि उपलब्ध कराई जाए। यह क्षेत्र उद्योग निवेश उद्यमिता नवाचार कौशल विकास और रोजगार का हब होगा। कार्ययोजना पूरे देश में मॉडल बनेगी। वर्ष 2025–26 के लिए विनिर्माण क्षेत्र का 5 लाख करोड़ का जीवीए लक्ष्य है। फैक्ट्री अधिनियम के अंतर्गत 8,000 नई,विद्यमान इकाइयों का पंजीकरण आवश्यक है। 1,354 इकाइयों का पंजीकरण हो चुका है। मुख्यमंत्री ने श्रम सुधारों की प्रक्रिया तेज करने और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को सक्रिय करने के निर्देश दिए।

नेपाल में शांति बहाल करने के लिए भारत आपके साथ

प्रधानमंत्री मोदी ने की पीएम सुशीला कार्की से बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की और बातचीत को गर्मजोशीपूर्ण और रचनात्मक बताया। बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और पड़ोसी देश में शांति और स्थिरता बहाल करने में भारत के निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस चुनौतीपूर्ण समय में नेपाल के साथ खड़े रहने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और 19 सितंबर को पड़ने वाले नेपाल के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कार्की और नेपाल की जनता को हार्दिक बधाई दी। एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री श्रीमती सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इससे पहले 13 सितंबर को, प्रधानमंत्री मोदी ने कार्की को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी थी और उनकी नियुक्ति को महिला सशक्तिकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण'' बताया था। मणिपुर की राजधानी इंफाल में एक रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल साझा इतिहास, आस्था और सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े घनिष्ठ मित्र रहे हैं और नई दिल्ली इस संक्रमण काल में पड़ोसी देश के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से कार्की को बधाई देना चाहता हूँ। मुझे विश्वास है कि वह नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

नाबालिग से दलाली मामले में आरोपी को जमानत, पॉक्सो के बावजूद कोर्ट ने क्यों दी राहत?

पुणे, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के पुणे ज़िले के एक लॉज में महिलाओं और एक नाबालिग लड़की के लिए ग्राहक लाने के लिए दलाली करने और कमीशन लेने के आरोपी एक व्यक्ति को ज़मानत दे दी है। ज़मानत देते हुए, अदालत ने कहा कि उस पर नाबालिग समेत किसी भी पीड़िता को देह व्यापार में धकेलने का कोई आरोप नहीं है। आरोपी शंकरलाल छेत्रे, भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की संबंधित धाराओं के

तहत गिरफ्तार होने के बाद 16 जून, 2023 से सलाखों के पीछे था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि छेत्रे ने एक एजेंट के रूप में काम किया, वेश्यालय संचालकों और पीड़ित महिलाओं के बीच संबंध बनाने में मदद की और अपनी संलिप्तता के लिए कमीशन प्राप्त किया। अदालती कार्यवाही के दौरान, अतिरिक्त लोक अभियोजक टीजी खान और नाबालिग का प्रतिनिधित्व करने के लिए कानूनी सहायता के माध्यम से नियुक्त अधिवक्ता दीपाली बागला ने चेत्रे की ज़मानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि चेत्रे महिलाओं और बच्चों का शोषण करने वाले एक बड़े गिरोह का हिस्सा था। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि चेत्रे को रिहा करने से उसके अपराध दोबारा हो सकते हैं, जिससे तस्करी के बढ़ते खतरों की चिंता बढ़ गई है। छेत्रे की भूमिका और ज़मानत देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, अदालत ने कहा मौजूदा आवेदक की भूमिका यह है कि उसने पीड़ितों के एजेंट के रूप में काम किया। आवेदक पर किसी भी पीड़ित या नाबालिग पीड़ितों को देह व्यापार में धकेलने का कोई आरोप नहीं है। वर्तमान अपराध में पीड़ितों को पुलिस द्वारा बचाया गया है। 15 जून, 2023 को शिकारपुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी को एक गुप्त सूचना मिलने के बाद चेत्रे पुलिस की गिरफ़्त में आ गया। एक सामाजिक संगठन से मिली जानकारी के अनुसार, पुणे–अहमदनगर राजमार्ग के पास भीमाकोरेगांव गाँव के एक लॉज में एक नाबालिग लड़की की तस्करी की जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने एक नकली ग्राहक के साथ छापा मारा और परिसर से दो महिलाओं और एक नाबालिग को छुड़ाया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई अत्यावश्यक होने के कारण बिना तलाशी वारंट के की गई।

चमोली के नंदानगर में भारी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण 10 लोग लापता

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कुंतरी और धुरमा गांवों में एक ही परिवार के चार सदस्यों सहित 10 लोग लापता हो गए। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य आपदा आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर नंदानगर में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का आकलन लिया और लापता लोगों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि नंदानगर के आपदा प्रभावित क्षेत्र में बचाव और राहत कार्य जारी हैं। चमोली जिला आपदा प्रबंधन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, कुंतरी गांव से आठ और धुरमा गांव से दो लोगों के लापता होने की सूचना है। कुंतरी गांव के लगा फाली क्षेत्र से कुंवर सिंह (42), उनकी पत्नी कांता देवी (38), उनके बेटे विकास (10) और विशाल (10), नरेन्द्र सिंह (40), जगदम्बा प्रसाद (70) व उनकी पत्नी भागा देवी (65), देवेश्वरी देवी (65) के लापता होने की सूचना है, जबकि धुरमा गांव से गुमान सिंह (75), ममता देवी (38) लापता हैं।

मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं

विष्णु प्रतिमा मामले पर दिए गए बयान को लेकर सीजेआई बीआर गवई का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के खजुराहो स्थित जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट लंबी सिर कटी हुई मूर्ति की पुनर्स्थापना की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए की गई अपनी टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया दी। सीजेआई गवई ने स्पष्ट किया कि वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। यह टिप्पणी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ के लंच के बाद के सत्र के दौरान आई। भारत के सॉलिसिटर जनरल (एसजीआई) तुषार मेहता, जो अदालत में मौजूद थे, ने कहा कि वह पिछले दस सालों से सीजेआई को जानते हैं और अच्छी तरह जानते हैं कि सीजेआई सभी धार्मिक स्थलों पर जाते हैं। मेहता ने आगे कहा कि आजकल सोशल मीडिया पर चीजों को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है। मेहता ने कहा, न्यूटन का नियम कहता है कि हर क्रिया की एक समान प्रतिक्रिया होती है। अब हर क्रिया की सोशल मीडिया पर असंगत प्रतिक्रिया होती है। अदालत में मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने भी उपरोक्त विचार से सहमति व्यक्त की और कहा कि सोशल मीडिया पर मुद्दों को इस तरह से पेश किए जाने के कारण वकीलों को हर दिन परेशानी उठानी पड़ती है। इस अवसर पर, मुख्य न्यायाधीश गवई ने यह भी उल्लेख किया कि नेपाल मुद्दे पर उनकी टिप्पणी पर भी इसी तरह की प्रतिक्रिया मिली थी। मुख्य न्यायाधीश गवई के साथ पीठ में बैठे न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन ने भी सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के नकारात्मक प्रभाव को रेखांकित किया और इसे असामाजिक मीडिया बताया, और ऑनलाइन गलत धारणा का शिकार होने का अपना अनुभव साझा किया। भगवान विष्णु मामले में याचिकाकर्ता राकेश दलाल का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता संजय नूली ने भी स्पष्ट किया कि मुख्य न्यायाधीश ने कभी भी उनके नाम से गलत बयान नहीं दिया, साथ ही उन्होंने भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट पर चिंता जताई।

प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखेंगे। वह बांसवाड़ा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आज बैठक की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बांसवाड़ा का दौरा किया। उन्होंने बांसवाड़ा में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री मोदी 25 सितंबर को परमाणु ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखने के लिए बांसवाड़ा आएंगे। प्रस्तावित परियोजना में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है और यह ऊर्जा विकास के क्षेत्र में राजस्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा, यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। तैयारियां चल रही हैं और पार्टी नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में लगे हुए हैं।

मुझे हाउस अरेस्ट किया गया... महबूबा मुफ्ती का बड़ा दावा

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को दावा किया कि हुर्रियत कांफ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल गनी भट के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सोपोर जाने से रोकने के लिए उन्हें नजरबंद किया गया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि प्रोफेसर अब्दुल गनी भट के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए हमें सोपोर जाने से रोकने के लिए आज राजनीतिक नेतृत्व को नजरबंद करने का निर्णय जम्मू–कश्मीर की कठोर और अलोकतांत्रिक वास्तविकता को उजागर करता है। भट का लंबी बीमारी के बाद बुधवार शाम सोपोर स्थित उनके आवास पर निधन हो

गया। हज़रतबल दरगाह पर हुए हालिया विवाद का ज़िक्र करते हुए महबूबा ने कहा कि जनता का गुस्सा एक ज़ोरदार और स्पष्ट संदेश था। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हज़रतबल दरगाह में जो कुछ हुआ, वह स्वतःस्फूर्त, बेदाग़ जनाक्रोश का विस्फोट था, कोई अकेली घटना नहीं। यह हाशिये पर धकेले गए लोगों का एक स्पष्ट और स्पष्ट संदेश था। हालाँकि, भाजपा इस सच्चाई से जानबूझकर अनजान बनी हुई है और वर्षों से पनप रही गहरी पीड़ा और दबी हुई भावनाओं से कुछ भी सीखने को तैयार नहीं है। कश्मीर में 5 सितंबर को हजरतबल दरगाह में अशोक चिह्न वाली पट्टिका को क्षतिग्रस्त किये जाने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, क्योंकि अधिकांश राजनीतिक दलों ने वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी पर मस्जिद में राष्ट्रीय प्रतीक का इस्तेमाल करके धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने तथा उन्हें तत्काल हटाने की मांग की थी।

प्रयागराज में दशहरा पर शिवलिंग जैसा 40 फीट ऊंचा पंडाल, 173 साल से दुर्गा पूजा कर रहे हैं बंगाली

प्रयागराज। कभी इलाहाबाद और आज प्रयागराज की सबसे पुरानी कर्नलगंज बारवारी दुर्गा पूजा सोसाइटी अपने 173वें वर्ष के दशहरा महोत्सव को शिवमय बनाने की तैयारियों में जुटी हुई है। भारद्वाज कॉरिडोर के मेन गेट के बगल में स्थित पार्क में शिवलिंग जैसा पंडाल बनाने के लिए कोलकाता से 15 कारीगर

19 अगस्त को पहुंचे थे। शिवलिंग की आकार के पंडाल की ऊंचाई 40 फीट और लंबाई 90 फीट और चौड़ाई 60 फीट है। पंडाल 24 सितंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा।

सोसाइटी के अध्यक्ष शंकर चटर्जी, सचिव देवराज चटर्जी, कोषाध्यक्ष प्रमोद चंद्रा और सहायक सचिव रुम्पी ने तीन महीने पहले बैठक करके सर्वसम्मति से इस वर्ष का पूजा पंडाल शिवलिंग की थीम पर बनाने का निर्णय लिया था। पंडाल के भीतर मां दुर्गा की 9 फीट की प्रतिमा सहित रंग–बिरंगे और आकर्षक साजसज्जा वाला 12 फीट का बैकग्राउंड रहेगा। वहां माता सरस्वती, भगवान गणेश, मां लक्ष्मी और भगवान कार्तिकेय होंगे। देवी–देवताओं के आभूषण और अस्त्र–शस्त्र कोलकाता से मंगवाए गए हैं। षष्ठी तिथि पर मां का पूजन और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसके बाद महिषासुर मर्दिनी, चंडी पाठ और गायन का समारोह होगा। षष्ठी से दशमी तिथि को सिंदूर उत्सव तक के दौरान ऑडियो के जरिए लगातार शिव स्तुति की जाएगी। पंडाल में बारह ज्योतिर्लिंग की तस्वीरें भी लगाई जाएंगी। अध्यक्ष शंकर चटर्जी ने बताया कि महोत्सव भगवान शिव को समर्पित किया गया है। सप्तमी को कोलकाता के कलाकारों की नृत्य प्रस्तुति होगी। नवमी को सोसाइटी से जुड़े परिवार के लोग अलादीन नृत्य नाटिका की प्रस्तुति करेंगे।

बरेली के राधेश्याम कथावाचक की रामायण पर रामलीला में डॉक्टर पिता–पुत्र करते हैं रोल, रिहर्सल शुरू है

प्रयागराज। बरेली के पंडित राधेश्याम कथावाचक की लिखी रामायण देश और दुनिया में श्रद्धालुओं के बीच लोकप्रिय है। नवरात्र में इसी रामायण पर आधारित रामलीला का मंचन सुभाष नगर में होता है। पंडित राधेश्याम के जीवन काल से ही यह रामलीला चल रही है। सुभाष नगर के डॉक्टर अनिल कुमार शर्मा पंडित राधेश्याम के व्यक्तित्व से इतने प्रभावित हुए कि इस रामलीला में अभिनय ही करने लगे। अब तो उनके पुत्र डॉक्टर यशवर्धन भी रामलीला में विभिन्न किरदार निभाते हैं। दोनों पिता–पुत्र इस समय रिहर्सल में जुट चुके हैं क्योंकि 22 सितंबर से नवरात्र शुरू हो रहा है। सितंबर महीने से रामलीलाओं का मंचन शुरू हो जाएगा। सुभाष नगर की रामलीला के लिए भी रिहर्सल शुरू हो चुकी है। बरेली की यह रामलीला इस मायने में ऐतिहासिक है कि इसका मंचन पंडित राधेश्याम के जीवित रहते ही शुरू हो गया था। उनके लिखे संवाद ही यहां की रामलीला में इस्तेमाल होते हैं। पिछले कई वर्षों से सुभाष नगर के डॉ. अनिल कुमार शर्मा और उनके पुत्र डॉ. यशवर्धन विभिन्न पात्र बन कर रामायण का मंचन करते आ रहे हैं।

लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में लर्निंग साइंस वाया स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता

मुजफ्फरनगर। लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर में लर्निंग साइंस वाया स्टैंडर्ड राइटिंग प्रतियोगिता का आरंभ कॉलेज प्रधानाचार्य श्री डॉ अखिलेश कुमार शर्मा ने स्टैंडर्ड क्लब के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए ष्मानक लेखान प्रतियोगिताष का आयोजन करके किया गया। जिसमें विद्यालय के 60 छात्र – छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भारतीय मानक ब्यूरो, देहरादून शाखा कार्यालय के तत्वावधान में इस अवसर पर श्रीमती शुचि द्विवेदी जी (रिसार्स पर्सन भारतीय मानक ब्यूरो,शाखा देहरादून) ने बताया कि

भारतीय मानक ब्यूरो भारत में राष्ट्रीय मानक निर्धारित करने वाली संस्था है। उन्होने हॉलमार्क, अनिवार्य रजिस्ट्रेशन, इको मार्क, सर्टिफिकेशन स्कीम बीआईएस ,ष्प्ष् मार्क, विभिन्न प्रकार के लिंक एवं बीआईएस एप के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गयी। इसमें आज मुख्य विषय 'ष्कॉस्टिक सोडाष' रखा गया । प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र – छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम् स्थान् पर्‌ अनन्त कुमार , अथर्व शर्मा , अनुष्का, वैष्णवी ,द्वितीय स्थान पर कुशाग्र शर्मा , रुद्राक्ष शर्मा , माधव कैशिक, अपूर्वी एवं तृतीय स्थान पर साक्षी , दिया , आशी , गौरिका संयुक्त रूप रहे , जिन्हें नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरुस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन स्टैंडर्ड क्लब प्रभारी राज कमल वर्मा एवं विद्यालय के शिक्षकों के सहयोग से संपन्न हुआ । इस अवसर पर विद्यालय के स्टैंडर्ड क्लब प्रभारी एवं सभी स्टैंडर्ड क्लब सदस्य उपस्थित रहे । प्रधानाचार्य डॉ अखिलेश कुमार शर्मा जी ने श्रीमती शुचि द्विवेदी जी को विद्यालय स्मृति चिन्ह एवम अंगवस्त्र देकर उनका सम्मान और आभार व्यक्त किया। कार्यशाला को सफल बनाने में कॉलेज के वरिष्ठ आचार्य महेश कुमार एवं श्रीमती प्रभा जी , सुनील त्यागी तथा सभी विज्ञान शिक्षको का विशेष योगदान रहा।

कस्बों से लेकर गांवों तक फैली गंदगी, बजबजा रहीं नालियां

प्रयागराज। बारा स्वच्छता अभियान पर बारा तहसील में ग्रहण लग गया है। कस्बों से लेकर गांवों तक चारों ओर गंदगी ही गंदगी है। नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों द्वारा बनवाई गई नालियां बजबजा रही हैं। गांवों में तैनात सफाई कर्मचारी गांवों में न जा कर अधिकारियों और कार्यालयों का चक्कर काट रहे हैं। गांव को स्वच्छ और साफ सुथरा रखने के लिए शासन द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत हर विकास खंड में प्रतिवर्ष लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। स्वयं प्रधानमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिमंडल, जिलाधिकारी से लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सफाई के लिए झाडू उठा चुके हैं। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था इसके बाद भी गांव की गलियों पर गंदगी, कीचड़ और उन पर भिनभिनाती मक्खियों का साम्राज्य है।

गांव हो या कस्बा या नगर पंचायत सभी जगह सफाई कर्मचारी तैनात किया गया है। इसके एवज में सरकार प्रतिमाह लाखों रुपये वेतन के रूप में खर्च कर रही है। लेकिन आलम यह है कि तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांवों में सफाई कर्मी नहीं पहुंच रहे है। इससे गांवों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया जा रहा है। विकास खंड जसरा में 114 राजस्व ग्राम पंचायत है। इनकी सफाई व्यवस्था के लिए 110 सफाई कर्मी तैनात है। इनमें से दर्जनों ग्राम पंचायतें जसरा, परवेजाबाद, चामू, पांडर आदि महीनों से सफाई कर्मी विहीन है। इन गावों में सफाई नहीं होने से गावो में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ग्रामीण, राकेश कुमार, आलोक कुमार, गोलू, शिवम, अखिलेश,कुशल सिंह आदि का कहना है कि जिन गावो में सफाई कर्मी तैनात है वहां भी सफाई के लिए कर्मी नहीं पहुंच रहे है। इससे नालियां चोक होने से पानी सड़को पर बह रहा है। बारिश में सफाई नहीं होने से लोग संक्रामक बीमारी के शिकार हो रहे है। शिकायत पर कार्रवाई नही की जा रही है। विकास खंड जसरा में 114 गांवों की सफाई के लिए शासन द्वारा 110 सफाई कर्मचारी तैनात हैं। यदि एक गांव में एक सफाई कर्मचारी

नियुक्त किया जाता तो केवल 4 गांव ही ऐसे बचना चाहिए जहां सफाई कर्मचारी नहीं होना चाहिए किन्तु जमीनी हकीकत अलग कहानी कहती हैं। अकेले विकास खंड जसरा में ही दर्जन भर से अधिक गांवों में सफाई कर्मचारी नहीं पहुंच पा रहे हैं। शासन द्वारा प्रति माह लाखों रुपए खर्च कर सफाई कर्मचारी की तैनाती की गई है किन्तु सफाई कर्मी गांवों में न जाकर कार्यालयों का कार्य निपटा रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि ब्लॉक के अधिकारियों और सफाई कर्मियों की आपस में मिलीभगत के चलते तैनाती वाले गावो में न भेजकर कार्यालय का कार्य निपटा रहे है। गावो में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं एक सफाई कर्मी ने अधिकारियों से सांठ गांठ करके अपने निवास स्थान वाले राजस्व ग्राम में तैनाती करा लिया है।आरोप है कि सफाई के लिए गांव में कभी नहीं आता। सफाईकर्मी भाड़े पर करा रहे काम शासन की लाख कोशिश के बावजूद सफाई कर्मी गावो में नहीं पहुंच रहे है। हरिओम द्विवेदी, मिथिलेश कुमार, राहुल, राजू ने बताया कि सफाईकर्मी खुद गांवों में न जाकर भाड़े पर कार्य करा रहे है। शिकायत पर कभी कतार सफाई के लिए आते है। सवाल उठता है कि सफाई कर्मचारी गांवों में न जा कर कहां रहते हैं।यह एक ज्वलंत प्रश्न है किन्तु इसकी जांच कौन करेगा। सत्यता यह के नीचे से ले कर विकास विभाग के ऊपर तक के लोग इस खेल में संलिप्त बताए जा रहे हैं। घर का कूड़ा सड़क पर क्षेत्र में जसरा, घूरपुर, गौहनिया, जारी,करमा, कौंधियारा, नारीबारी, शंकरगढ़, शिवराजपुर,लोहगरा, बारा आदि कस्बे या बाजार है। यहां जन घनत्व तेजी से बढ़ा है। शासन द्वारा रोक लगाने के बाद भी यहां के निवासी अपने अपने घरों की सफाई कर कचड़े को सड़क पर जमा कर देते हैं और इंतजार करते हैं कि सफाई कर्मचारी आएगा और साफ करेगा। शासन द्वारा गांवों में डस्टबिन की ब्यवस्था की गई है। इसके बावजूद इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। अधिकांश गांवों में कूड़ा उठाने की कोई ब्यवस्था ही नहीं है।

बोले जिम्मेदार विकास खंड जसरा में सफाई कर्मचारीयों की कमी है। सफाई कर्मचारी गांवों में नहीं पहुंच पा रहे हैं जबकि उनको गांवों में जाने का आदेश दिया गया है। सीधे कार्रवाई नहीं की जा सकती है।जिन गांवों में सफाई न होने की जानकारी होती है वहां टीम बनवा कर साफ़ सफाई कराने का प्रयास होता है। –सुनील सिंह, खंड विकास अधिकारी, जसरा गांवों में सफाई न होने की शिकायत आ रही है।यह एक गंभीर समस्या है। कुछ गांवों जैसे जारी की शिकायत आई थी। वहां टीम लगा कर सफाई कराई गई है। गांवों में तैनात सफाई कर्मचारी यदि गांव नहीं जा रहे हैं या साफ सफाई नहीं कर रहे हैं। इसकी जानकारी होने पर जांच होगी और जिम्मेदार पर कार्रवाई भी होगी। –अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह, प्रमुख, जसरा हमारी भी सुनें गांवों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत की है। ग्राम प्रधान सहित सभी नागरिकों को जागरूक होना चाहिए। बारा खास तहसील मुख्यालय है।इसे स्वच्छ और साफ सुथरा रखने का प्रयास किया जाता है। सफाई कर्मचारी के अलावा अलग से मजदूर लगा कर साफ सुथरा रखने की कोशिश है।हम सभी का नैतिक कर्तव्य है कि अपने अपने घरों की तरह गांव को भी साफ सुथरा रखने का प्रयास करें। संतोष कुमार जायसवाल, ग्राम प्रधान, बारा खास स्वच्छता अभियान का शासन द्वारा ढिंढोरा पीटा गया किन्तु उसे जमीन पर उतारने की कोशिश नहीं की गई है। गांवों में सफाई कर्मचारी नहीं पहुंच पा रहे हैं। चारों ओर गंदगी ही गंदगी है।इसका कारण क्षेत्र पंचायत में तैनात संबंधित अधिकारी की ढील या निजी स्वार्थ माना जा सकता है। उच्चाधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और गांवों–कस्बों में जा कर हकीकत देखना होगा। –हरिकेश यादव उर्फ बबलू, सामाजिक कार्यकर्ता, गोंदलापुर, छीड़ी अधिकारियों एवं नेताओं का स्वच्छ भारत मिशन का दावा बिल्कुल खोखला है। शहर के साथ–साथ ग्रामीण इलाकों में भी गंदगी का अंबार है। सफाई कर्मी की समुचित व्यवस्था नहीं है ,जो भी सफाई कर्मी है वो ब्लॉक मुख्यालय शंकरगढ़ में लगे हैं। ज्यादातर ब्लॉक में बाबू बन बैठे हैं। रही गांव में सफाई की व्यवस्था वह भगवान भरोसे है। –विनोद सिंह उर्फ जीतू, अकोरिया विकास खंड जसरा अंतर्गत ग्राम पंचायत परवेजाबाद में सफाई कर्मचारी महीनों से नहीं आ रहा है। गांव के लोग उसको पहचानते तक नहीं है। विकास खंड से जानकारी दी गई है कि खाली है। आखिर एसडीओ पंचायत जसरा शासन की इस योजना के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे।यह सरकार की छवि को प्रभावित करता है। –कुशल सिंह परिहार समाजसेवी, परवेजाबाद सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार प्रसार थकान जोरों से किया जा रहा है परंतु कुछ अधिकारियों की बदौलत यह फेल होता दिख रहा है। हमारे शिवराजपुर क्षेत्र में न ही कोई सफाई कर्मी नियुक्त है न ही समय पर सफाई होती है जिसको लेकर कई बार ब्लॉक के अधिकारियों से भी शिकायत की जा चुकी है परंतु ब्लॉक के अधिकारी की मानसिकता को सही तरीके से पहचाना नहीं जा सकता है। –शक्तिमान पाल, शिवराजपुर विकास खंड जसरा के अधिकांश गांवों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत क्लीन चिट मिल गया है। इसके लिए केवल खानापूर्ति की जा रही है। सफाई कर्मचारी वेतन के लिए बेताब रहते हैं और रहना भी चाहिए। आखिर उनके परिवार का पालन पोषण होता है किन्तु इसके साथ ही जिम्मेदारी का भी ध्यान रखना चाहिए। ग्राम पंचायत चिल्ला गौहानी की हर गली में गंदगी ही गंदगी है। हालात यहां तक हैं कि कुछ गलियों में जाया ही नहीं जा सकता है। –श्यामाकांत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष भूमि विकास बैंक लिमिटेड जसरा

रावण की शोभायात्रा देखने एक बाइक पर निकले चार दोस्त, खंभे से टकराकर तीन की मौत, एक गंभीर

प्रयागराज। प्रयागराज में शिवकुटी इलाके में ओल्ड कैंट स्कूल के समीप बुधवार देर रात सड़क हादसे में तीन लड़कों की मौत हो गई जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया गया है। चारों लड़के कटरा में रावण की शोभायात्रा देखने एक ही बाइक से तेलियरगंज जा रहे थे। घटना की जानकारी होते मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

तेलियरगंज के 16वर्षीय शनि गौतम पुत्र संजय, 17 वर्षीय गोलू पुत्र सुदामा, 18 वर्षीय आदर्श पुत्र स्वर्गीय अनिल कुमार और 24 वर्षीय आशुतोष पुत्र तुलसीराम बुधवार रात एक ही बाइक से कटरा में रावण की शोभायात्रा देखने जा रहे थे। चारों लड़के एक ही बाइक पर सवार थे और आशुतोष गाड़ी चला रहा था। रास्ते में ओल्ड कैंट स्कूल के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंभे से टकरा गई।

सिर पर गंभीर चोट लगने से सभी लड़के सड़क पर

गिरकर लहूलुहान हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर शिवकुटी थाने की पुलिस ने एंबुलेंस से चारों को एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर भेजा। जहां डॉक्टरों ने आशुतोष, शनि और आदर्श को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल गोलू का इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजन रोते बिलखते पहुंच गए। शिवकुटी, थाना प्रभारी, रुकुमपाल सिंह ने कहा कि प्रथम दृष्टया बिजली खंभे से बाइक टकराने से हादसा हुआ है। घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है।

जन्मदिन की पार्टी मनाने निकले थे चारों दोस्त

ओल्ड कैंट इलाके में बुधवार देर रात सड़क हादसे का शिकार हुए चारों लड़के तेलियरगंज में आसपास ही रहते थे। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल गोलू का बुधवार को जन्मदिन था जिसकी पार्टी करने के लिए चारों दोस्त रात में निकले थे। एसआरएन अस्पताल पहुंचे लोगों ने बताया कि पार्टी के बाद चारों आशुतोष की बाइक से कटरा में आयोजित रावण की शोभायात्रा देखने निकले थे। पुलिस के मुताबिक आशुतोष ही बाइक चला रहा था। आशुतोष मूलरूप से बहरिया का रहने वाला था और तेलियरगंज में अपने दो भाइयों के साथ किराए पर रहता था। मृतकों में शनि गौतम दसवीं और आदर्श बारहवीं में भारत स्काउट एंड गाइड स्कूल में पढ़ते थे, वहीं आशुतोष नारियल पानी का ठेला लगाता था।

पेंशन की विसंगतियों पर पेंशनरों ने सांसद से की शिकायत

प्रयागराज। पेंशन में संभावित अंतर को लेकर पेंशनरों ने बुधवार को सांसद उज्जवल रमण सिंह को ज्ञापन सौंपा। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ पेंशनर्स एसोसिशन (एनसीसीपीए) के राष्ट्रीय सचिव सुभाष पांडेय व ऋषिश्वर उपाध्याय ने सांसद को बताया कि सरकार ने वित्त विधेयक के भाग (चार) में पेंशन रूल्स के वैद्यकरण को भी 25 मार्च और 27 मार्च को पारित करा लिया है स इस कानून से केंद्र सरकार को यह अधिकार मिल गया है कि वह सेवानिवृत्ति की तारीख या वेतन आयोग की संस्तुतियों के लागू होने की तिथि के आधार पर पेंशन में अंतर कर सकती है। पेंशनरों ने एक निश्चित तिथि के पूर्व के पेंशनर्स को वैध पेंशन की देनदारियों से वंचित करने की भी संभवाना जताई स पेशनरों की शिकायत सुनने के बाद सांसद ने प्रधानमंत्री को अपनी आख्या के साथ पत्र भेज भी भेज दिया। सांसद ने पेंशनरों की समस्या लोकसभा में उठाने का भी आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में विमल चौधरी, डीके घोष, राजेश कुमार श्रीवास्तव, सुशील कुमार श्रीवास्तव, आरएन यादव, योगेंद्र कुमार पांडेय, रमेश जी और विनोद कुमार तिवारी आदि शामिल रहे।

प्रयागराज के तीन एएसपी का स्थानांतरण

प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) प्रशांत कुमार ने बुधवार को प्रदेश के 44 अपर पुलिस अधीक्षक की स्थानांतरण किया गया है। इसमें प्रयागराज के भी तीन अपर पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल हैं। प्रयागराज के एडीसीपी यातायात कुलदीप सिंह का एएसपी उत्तरी संभल और एडीसीपी यमुनानगर डॉ जंग बहादुर यादव का एडीसीपी वाराणसी के पद पर तबादला हुआ है। इसके अलावा 4वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के उपसेनानायक अमित कुमार का 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद में इसी पद पर स्थानांतरण किया गया है। उधर, 48वीं वाहिनी पीएसी के उपसेनानायक विजय आनंद को एडीसीपी प्रयागराज कमिश्नरेट के पद पर भेजा गया है।

पहले जमीन के नाम पर ठगी फिर, मांगी दस लाख की रंगदारी

प्रयागराज। राजापुर म्योर रोड निवासी संजय भारतीया ने पुलिस को बताया कि इराफत अली ने अपनी राजापुर की जमीन बेचने को लेकर दस लाख में सौदा तय किया था। मार्च में छह लाख रुपये एडवांस दी गई थी। शेष चार लाख शेष राशि देकर बैनामा करने की बात कही थी। लेकिन, जमीन बैनामा करने को हीलाहवाली कर रहा है। आरोप है कि 15 सितंबर को इराफत अली के घर जाकर पूछताछ की, तो इराफत अली व उसके बेटे और भतीजों ने मारपीट की। तमंचा सटाकर दस लाख रंगदारी नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी। डर की वजह से जेब से 13 हजार दे दिया। गले में पहनी सोने की चेन भी लूट ली। कैंट थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि आरोपियों ने पहले जमीन के नाम पर छह लाख लाख रुपये ले लिया और अब उन पर रंगदारी मांगने का आरोप है। दो नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

कैंसर प्रति जागरूकता फैलाना जरूरी : डॉ. बी पॉल

प्रयागराज। हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित सात दिवसीय स्वास्थ्य महोत्सव का बुधवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि कैंसर विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. बी पॉल, विशिष्ट अतिथि प्रो. शबी अहमद, सहायक प्रबंधक मोहम्मद फरहानुल्लाह और निदेशक डॉ. सैयद आरिज कादरी रहे। डॉ. पॉल ने कहा कि लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना जरूरी है। कैंसर का यदि समय रहते इलाज शुरू किया जाए तो मरीज जल्द स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। कैंसर का यदि समय पर पता चल जाए तो ठीक होने की संभावना ज्यादा रहती है। संरक्षक तजीन एहसानुल्लाह डॉ. जरीना बेगम, डॉ. सिद्दीका जाबिर, शर्मीन फातिमा मौजूद रहीं। संचालन प्रो. सबीहा आजमी ने किया आभार ज्ञापन प्रो. एरम फरीद उस्मानी ने किया।

100 करोड़ से अधिक की नजूल भूमि पर कब्जा

प्रयागराज। भूमाफिया के खिलाफ हो रही कार्रवाई के बाद भी उनके मन बढ़े हुए हैं। अब भू–माफिया ने सिविल लाइंस स्थित जेड रोड पर 12 हजार वर्गमीटर नजूल भूमि पर कब्जा कर उसे बेचना शुरू कर दिया है। इसकी बाजार कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है। इसकी शिकायत नजूल अनुभाग में की गई तो एडीएम नजूल की ओर से पीडीए सचिव को पत्र भेजकर मामले को संज्ञान में लेने के लिए कहा गया है। सिविल लाइंस का एक बड़ा हिस्सा नजूल भूमि पर है। यहां स्टेशन के पास जेड रोड पर लगभग 12 हजार वर्गमीटर नजूल भूमि है।

अधर मे आधार कैसे उतरे अब यह भार........??

आधार कार्ड कार्य के लिए भटकने को मजबूर कस्बा भोकरहेड़ी के लोग

मुजफ्फरनगर। नागरिकों की विशिष्ट पहचान के लिए बनाये गये आधार कार्ड का डिजिटल उपयोग तेजी से बढ़ा है। प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी पहचान संबंधित कार्य मे आधार कार्ड की आवश्यकता पड रही है। किन्तु आधार कार्ड को अपडेट करने सहित उसमे बनी त्रुटियों को दुरुस्त कराने का काम दर्दे सर साबित हो रहा है। आधार कार्ड सेंटर पर लम्बी लम्बी प्रतीक्षा के बाद भी कार्य समय पर न होने से आमजन बेहाल हैं। वहीं सुविधा से महरूम कस्बा भोकरहेड़ी के परेशान नागरिकों ने कस्बे मे आधार कार्ड सेंटर खुलवाने की मांग की है।

मुज़फ्फरनगर जनपद मुख्यालय से 28 ।उ. दूर नगर पंचायत भोकरहेड़ी की आबादी लगभग 25 हजार बताई जाती है। कस्बे मे जहां स्थलीय सरकारी सुविधाओं का आज भी भारी अभाव है। वहीं आधार कार्ड बनाने जैसी मूलभूत सुविधा से भी कस्बावासी अभी तक महरूम हैं।नगर का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद कस्बे के नागरिक आधार बनवाने,आधार कार्ड मे नाम बदलवाने, जन्मतिथि परिवर्तन, आधार कार्ड अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट आदि कार्यों के लिए दूसरे स्थानों पर भटकना पड़ रहा है।भोकरहेड़ी के नागरिको को आधार कार्ड कार्य के लिए पांच से पच्चीस किलोमीटर दूर मोरना, भोपा व मुज़फ्फरनगर

तक जाना पड़ रहा है। जहां लम्बी प्रतीक्षा के बाद भी कार्य पूर्ण हो जाने की कोई गारंटी नहीं है। भोकरहेड़ी निवासी कुछ युवकों ने बताया की वह आधार कार्ड मे नाम की स्पेलिंग बदलवाने,जन्मतिथि परिवर्तन कराने के लिए आधार कार्ड सेंटर पर गये थे किन्तु आधार कार्ड बनाने वालों ने कहा की फिलहाल आधार कार्ड को केवल अपडेट करने का काम चल रहा है।अन्य किसी कार्य को नहीं किया जा सकता है।

वहीं कस्बे के जयवीर सिंह व लव कुमार सहरावत का कहना है की पूर्व मे कस्बे मे आधार कार्ड बनाने कार्य होता था।वर्तमान मे आधार कार्ड बनाने का सेंटर भोकरहेड़ी मे नहीं है जिससे कस्बे के नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों की माने तो वह कस्बे से दूर अन्य स्थानों पर आधार कार्ड बनवाने के लिए सुबह सवेरे खाना पैक कराकर घर से लेकर जाते हैं। शाम तक प्रतीक्षा करने के बाद उनसे कहा जाता है की केवल पचास व्यक्तियों के लिए कार्य हो सकता था आपका नंबर कल आएगा।

'आधार कार्ड के लिये चालीस किलोमीटर का सफर, परिणाम शून्य'

मोरना ब्लॉक के खादर क्षेत्र के गांव मजलिसपुर तौफीर के ग्राम प्रधान योगेश चौहान ने बताया की मजलिसपुर तौफीर ग्राम पंचायत अंतर्गत खौर नगर, महाराज नगर,सिताबपुरी के ग्रामीणों को बीस किलोमीटर दूर ब्लॉक् मुख्यालय पर आधार कार्ड कार्य के लिए जाना पड़ रहा है।चालीस किलोमीटर आने जाने की यात्रा करने के बाद अक्सर ग्रामीण खाली हाथ ही लौटते हैं।

'सांसद विधायक भी हुए नाकाम'

भोकरहेड़ी,शुकतीर्थ,ककरौली मे आधार कार्ड सेंटर खुलवाने की मांग प्रशासनिक अधिकारियो सहित क्षेत्र के सांसद चंदन चौहान व विधायक मिथलेश पाल से कई बार की जा चुकी है किन्तु अभी तक सफलता नहीं मिल सकी है।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर, की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की

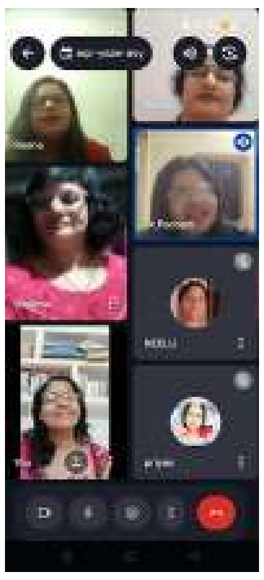

अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि डॉ रेनू राय एवं डॉ सुषमा मिश्रा रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 रू30 बजे से 7रू10 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान के द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ रेनू राय द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा इस आयोजन को सफल बनाया ।जिसमें डॉ रीना श्रीवास्तव ने श्हिंदी मेरी शान है श,डॉ पूनम श्रीवास्तव ने श्जग को मधुर रस दीनीश, श्डॉ सुषमा मिश्रा ने श्अंजुरी में नीर श, श्डॉ रेनू राय ने श्मन की बात लिख रही हूं श,डॉ नीलू सिंह ने श्हमारी हिन्दी श, डॉ मधु पाठक ने श्स्वाभिमानश कविता का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

पठन बोध और विश्लेषण परीक्षा का हुआ आयोजन

प्रयागराज। तीसरी 'पठन, बोध और विश्लेषण परीक्षा' का आयोजन 18 सितम्बर 2025 को बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की वाद–विवाद एवं साहित्य समिति द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत छात्रों को 'नेपाल में जेन–ज़ी प्रदर्शनों' पर आधारित एक गद्यांश दिया गया। इसमें छात्रों को पठन एवं लेखन अभ्यास करना था! इसका आयोजन

प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के निर्देशन तथा समन्वयक श्रीमती रेनू सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा समिति भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रही है। इस अवसर पर उपस्थित संकाय सदस्य थेकृडॉ. प्रमोद कुमार, श्री संदीप अग्रहरि एवं श्रीमती अनुश्री पांडेय।

आरेडिका में राजभाषा पखवाडा की शुरूआत

रायबरेली सआरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द के नेतृत्व में राजभाषा पखवाडा के तहत दिनांक–17.09.2025 से 27.09.2025 तक विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में आरेडिका के कर्मचारी एवं अधिकारी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिताओं में हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी वाक, आधिकारियों के लिए निबंध लेखन, सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन, साहित्यिक व्याख्यान,

हिन्दी कार्यशाला तथा पुस्तक एवं साहित्य प्रदर्शनी आदि शामिल की गयी हैं। यह आयोजन रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुपालन में किया जा रहा है। दिनांक 17.09.2025 को हिंदी निबंध लेखन, तथा दिनांक–18.09.2025 को हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं में सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक ने बधाई दी।

राजभाषा पखवाडा की शुरूआत महाप्रबंधक महोदय के नेतृत्व में सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में हिंदी कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक के आयोजन के साथ की गयी। जिसमें आरेडिका के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने बताया कि राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति उत्साह के भावों को संचारित करते हैं जो राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता मनोज कुमार जिंदल,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी रवीश कुमार, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राकेश राज पुरोहित, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य अभियंता सत्य प्रकाश यादव, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 आभा जैन, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अष्टानन्द पाठक, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

महोबा में वोटर लिस्ट में बड़ा घोटाला, एक मकान में चार हजार वोटर

मतदाता पुनरीक्षण में पकड़ी गई गलती, नपेंगे जिम्मेदार

लखनऊ, संवाददाता। महोबा जिले में वोटर लिस्ट में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ है।जांच शुरु हो गई है, जिम्मेदार अब नपेंगे। यहां कुलपहाड़ तहसील की ग्राम पंचायत जैतपुर और पनवाड़ी में मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी उजागर हुई है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान पता चला कि एक ही मकान नंबर पर हजारों मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। जैतपुर ग्राम पंचायत के मकान संख्या 803 में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए। पनवाड़ी ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 13, बजनापुरा में मकान नंबर 996 पर 243 मतदाता और मकान नंबर 997 पर 185 मतदाता दर्ज मिले।

सी०एम०पी० डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के हिन्दी-विभाग की कर्मशाला का तृतीय और समापन दिन

परम्परागत अशुद्ध शब्द–प्रयोग के प्रति मोह त्यागना होगाः आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

प्रयागराज। सी० एम० पी० डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के हिन्दी–विभाग की ओर से आयोजित त्रिदिवसीय भाषिक कर्मशाला के तीसरे और अन्तिम दिन व्याकरणवेत्ता और भाषाविज्ञानी आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय ने कहा, ष्उच्चारण और लेखन करते समय शुद्ध शब्दों का ही चयन करना चाहिए; क्योंकि किसी अभिव्यक्ति को भाषासम्पन्न करने के लिए संस्कृत और हिन्दी–भाषा के व्याकरण का ज्ञान होना अनिवार्य है। परम्परा से प्रयुक्त हो रहे सारे शब्द ग्रहणीय हैं, ऐसा भी नहीं है। हमे यदि लगता हो कि अमुक–अमुक शब्दों के व्यवहार से हम उच्चारण और लेखनस्तर पर स्खलन की ओर जा रहे हैं तो उन परम्परागत अशुद्ध शब्दों के प्रति मोह का त्याग कर देना चाहिए। उनके स्थान पर सार्थक और उपयुक्त शब्दों को ग्रहण करना चाहिए।श

आचार्य ने अपनी कर्मशाला के अन्तिम दिन छात्र–छात्राओं और अध्यापक–अध्यापिकाओं को सिंहावलोकन का अर्थ सुस्पष्ट करते हुए, पिछले दो दिनो की कर्मशालाओं मे बताये गये विषयों–उपविषयों की पुनरावृत्ति करते हुए, पूर्वाग्रह–पूर्वग्रह, निन्दा–भर्त्सना–आलोचना, चमत्कारिक–चामत्कारिक, वीभत्स–बीभत्स, सृष्टा–स्रष्टा, दृष्टा–द्रष्टा, सहस्त्र–सहस्र, संग्रहित–संगृहीत, जागृत–जाग्रत् अनुग्रहित–अनुगृहीत, गुरूजी–गुरुजी–गुरु जी, देवियों और सज्जनों–सज्जन, विद्वत् जनो–विद्वतजन–विद्वज्जन

आद्यान्त–आद्यन्त–आद्योपान्त निरूशुल्क–निश्शुल्क, वृहद्–बृहद्, बिरंगा–विरंगा, निरपराधी–निरपराध, निर्दयी–निर्दय, हवाएँ–हवा, सैन्यसमूह–सेना, उपरोक्त–उपर्युक्त, दिन–प्रतिदिन–प्रतिदिन, पूज्यनीय–पूज्य–पूजनीय, प्रफुल्लित–प्रफुल्ल, हतोत्साहित–हतोत्साह, मेरी इच्छानुसार–मेरे इच्छानुसार आदिक शताधिक शब्दों मे से कौन–सा शब्द अशुद्ध है और कौन–सा शुद्ध, कारणसहित बोध कराया। आचार्य ने बताया कि हवा हमेशा चलती है, जबकि पानी बहता है। नदी नहीं बहती, जबकि उसका जल बहता है। किस क्रिया मे श्हैश लगेगा और किसमे हैं, उन्होंने इसे समझाते हुए बताया कि इनकी पहचान करने के लिए कर्त्ता और कर्म के वचन को समझना होगा। श्मैने कहानियाँ लिखीं।श्द्र इस वाक्य मे कर्त्ता (मैं) तो एक वचन का है; परन्तु कर्म श्कहानियाँश बहुवचन का है, इसलिए क्रिया बहुवचन (लिखीं) की होगी। कर्मशाला के अन्तिम चरण मे भाषाविशेषज्ञ आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय को हिन्दी–विभाग की ओर से स्मृतिचिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर प्रो० सरोज सिंह, प्रो० आभा चतुर्वेदी, प्रो० दीनानाथ, डॉ० जी० गणेशन् मिश्र, डॉ० रंजीत, डॉ० प्रेमशंकर,डॉ० रमाशंकर, डॉ० राजेन्द्र यादव, डॉ० रामानुज, डॉ० भारती कोरी, डॉ० पूजा, डॉ० प्रियंका इत्यादिक उपस्थित थे।

विज्ञापन जारी करने में उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा है उ0 प्रदेश सूचना निदेशालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा अधिकतर विज्ञापन एवं अखबारों में छपे हुए समाचारों अथवा लेख के एडवरटोरियल कुछ चुनिंदा बड़े अखबारों को ही जारी कर उनको अनुचित रूप से वित्त पोषित किया जा रहा हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार सभी समाचार पत्रों को समानता के आधार पर समान रूप से विज्ञापन दिए जाने चाहिए।

आल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने एक पत्र के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को अवगत कराया है कि माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित याचिका संख्या सी–7876/2025 की प्रति आपके कार्यालय को काफी समय पूर्व प्राप्त कराई जा चुकी है। भारतीय प्रेस परिषद की विज्ञापन उप समिति की संस्तुतियां (31.7.2024द्) फाइल संख्या 17/3/26/2022. वाल्यूम –2 दिनांक 21.10. 2024 को पीसीआई के सचिव द्वारा भेजी गई थी। जिसकी एक प्रति आपके निजी सचिव भवानी सिंह को 23.10.2024 को प्राप्त कराई गई थी। इसकी एक प्रति प्रमुख सचिव सूचना के कार्यालय तथा सूचना निदेशालय को भी प्राप्त करायी गई थी। तत्सम्बन्धित पत्र 28.11. 2024 तथा मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित पत्र दिनांक 29.11.24 के अनुक्रम में कोई भी सार्थक कार्यवाही अभी तक नहीं हुई है। कामन काज बनाम यूनियन आफ इंडिया रिट पिटीशन (सिविल)13 व आफ 2003 में 13 मई 2015 को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा 13 मई 2015 को दिए गये निर्णय/निर्देशों का अनुपालन नहीं हो रहा है। आल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद ने अनुरोध किया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय दिनांक 13 मई 2015 तथा भारतीय प्रेस परिषद की संस्तुतियों पर अविलम्ब ही कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों को नहीं मानना न्यायिक अवमानना की श्रेणी में आता हैं। साथ ही भारतीय प्रेस परिषद की संस्तुतियों के आधार पर भी कार्यवाही किया जाना न्याय संगत होगा। आल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश गोयल ने बताया कि उक्त कार्यवाही की जानकारी पत्र के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली, मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय, प्रयागराज, चेयर पर्सन भारतीय प्रेस परिषद, नई दिल्ली, प्रमुख सचिव सूचना, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ एवं निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ को दे दी गयी है।

मंत्री नन्दी ने सेवा पखवाड़ा के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया उद्घाटन

बहादुरगंज स्थित रेडक्रास सोसाइटी में हुआ शिविर का आयोजन

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के पीलीकोठी बहादुरगंज स्थित रेडक्रास सोसाइटी में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान उपस्थित चिकित्साकर्मियों का अभिवादन स्वीकार करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण कराए मरीजों से संवाद किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अब तक का जीवन जनसेवा और राष्ट्रसेवा को समर्पित रहा है। इसी से प्रेरणा और प्रोत्साहन लेकर पूरे देश में उनके जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरी दुनिया भारत की चमक और धमक को महसूस कर रही है। पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत ग्लोबल लीडर के रूप उभरा है। 21वीं सदी का भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और प्रयासों का परिणाम है। इस दौरान मीरापुर मंडल अध्यक्ष गया प्रसाद निषाद, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, कीडगंज मंडल अध्यक्ष कबीर जायसवाल, नैनी मंडल अध्यक्ष रजत दुबे एवं अन्य पदाधिकारीगण व चिकित्सक एवं स्टॉफ नर्स मौजूद रहे।

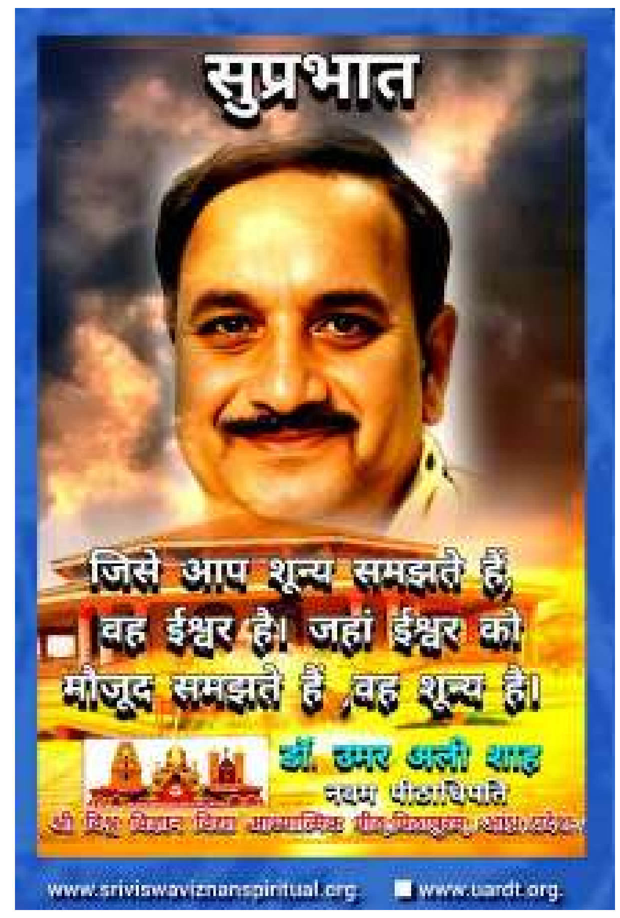

नाम चमेली जान

(कुण्डलिया)

रानी है यह फूल की, नाम 'चमेली' जान।
खुशबु की भंडार है, लेकिन नहीं गुमान।
लेकिन नहीं गुमान, हमेशा हँसती रहती।
बनकर सदा सुकून, सुगन्धित बगिया करती।
सुन लो कहें प्रदीप, करो मत ग़लत बयानी।
हर दिल का बन गीत, सुकूँ देती है रानी।।

सीमा संस्कृति धर्म से, परे चमेली फूल।
रहें लताओं पर सदा, खुशबू में मशगूल।
खुशबू में मशगूल, ईश का अति प्रिय बनकर।
माला का धर रूप, चरण में रहती हँसकर।
सुन लो कहें प्रदीप,पूर्णिमा सी शीतलता।
कहे अनोखी बात,न लाँघे अपनी सीमा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मोरना में मुख्य मार्ग पर जलभराव खोल रहा विकास की पोल

पौराणिक तीर्थ नगरी को जोड़ने वाले मार्ग की खस्ता हालत से अनजान बना प्रशासन

मुजफ्फरनगर। एक ओर शासन प्रशासन मार्गो को गड्ढा मुक्त करने के दावे करता है, वहीं बेहाल मोरना–मुज़फ्फरनगर मार्ग की दयनीय स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है। मोरना में मुख्य मार्ग पर हो रहे भारी जलभराव से राहगीर हलकान हैं। सड़क मे हुए गड्ढों में गिरकर राहगीर घायल हो रहे हैं। वहीं शुकतीर्थ जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने समस्या से निजात दिलाने की मांग शासन प्रशासन से की है। मुज़फ्फरनगर जनपद के मोरना मे भोपा–मुजफ्फरनगर मार्ग पर हो रहे जलभराव ने सरकारी तंत्र की

बड़ी लापरवाही व विकास के प्रति उदसीनता की पोल खोल दी है। पौराणिक तीर्थ नगरी शुकतीर्थ को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाले मार्ग से प्रतिदिन हजारों यात्री अनेक वाहनों से गुजरते हैं। तीर्थ नगरी के कारण महत्वपूर्ण माने जाने वाले मार्ग पर वर्षो से गहरे गड्ढे बने हुए हैं। वहीं जलभराव के कारण मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो गयी है।

गड्ढों में गिरकर राहगीर घायल हो रहे हैं।इसी मार्ग से आये दिन जन–प्रतिनिधियों सहित आला अधिकारी इसी मार्ग से शुकतीर्थ आते जाते हैं। बावजूद इसके शासन प्रशासन समस्या को लेकर गंभीर नहीं है।धार्मिक आयोजनो के दौरान शुकतीर्थ जाने के लिए श्रद्धालुओं को जलभराव व गड्ढों से होकर गुजरना पड़ रहा है। वहीं मोरना के ग्रामीण मेघराज शर्मा ने बताया की उनके घर के सामने वर्षो से जल भराव हो रहा है।बारिश के पूर्व ही वह जलभराव की समस्या से भयभीत हो जाते हैं। बारिश के दौरान ई रिक्शा,टेम्पो व बाईक जैसे वाहन दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। ऑटो मिस्त्री मरगूब मलिक ने बताया की मार्ग पर जलभराव व कीचड फैलने से व्यापारी भी परेशान हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे
बाल्मीकी चौराहा, नवाब यूसुफ रोड, प्रयागराज - 211001

वर्ष 2025-26 में स्काउट्स एवं गाइड्स कोटा के अंतर्गत खुली भर्ती

रोजगार सूचना सं. S&GQ 2025-26 दिनांक : 18/09/2025

नोटिफिकेशन जारी करने की तिथि : 18.09.2025
ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि : 19.09.2025
ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि व समय : 18.10.2025, 23:59 बजे तक

उत्तर मध्य रेलवे में स्काउट्स एवं गाइड्स कोटा वर्ष 2025-26 में खुली भर्ती के तहत ग्रेड पे रू. 1900/- एवं 1800/- (7 वें सीपीसी के बाद संशोधित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-02 एवं 01) में भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक और स्काउट्स एवं गाईड्स योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से नीचे दर्शाये गये कोटे के विरूद्ध ऑनलाईन आवेदन अंतिम तिथि 18.10.2025 रात्रि 23:59 बजे तक आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	पद	मैट्रिक्स लेवल (7वें सीपीसी)	पदों की संख्या	पदों का आवंटन
1	लेवल-2	पे मैट्रिक्स लेवल-2 (ग्रेड पे रू. 1900/-)	02 (दो)	उत्तर मध्य रेलवे पर
2	लेवल-1	पे मैट्रिक्स लेवल-1 (ग्रेड पे रू. 1800/-)	06 (छः)	02 पर प्रत्येक झांसी, प्रयागराज एवं आगरा मंडलों हेतु।

➢ उपरोक्त कोटा सभी श्रेणी के उम्मीदवारों हेतु हैं, बशर्ते वे न्यूनतम योग्यता/अर्हता रखते हों।
➢ रोजगार सूचना, आवेदन पत्रों का प्रारूप एवं अन्य सभी विवरण, यथा शैक्षणिक योग्यता, आयु, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएँ रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के वेबसाइट www.rrcpryj.org पर दिनांक 18.09.2025 से उपलब्ध है।

अध्यक्ष,
रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
1694/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय........

संतुलनकारी हस्तक्षेप

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का केंद्र सरकार और विपक्ष दोनों ने ही स्वागत किया है। एक संवेदनशील संतुलन बनाते हुए न्यायालय ने अधिनियम के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी है। जिसमें एक वह खंड भी शामिल है, जो यह निर्धारित करता है कि पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित कर सकते हैं। हालांकि, न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि 'अनुमान हमेशा किसी कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होता है।' बहरहाल, सत्तारूढ़ भाजपा इस बात से राहत महसूस कर रही है कि अब इस अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किए जाने का खतरा नहीं है। जबकि कांग्रेस का दावा है कि इस कानून के पीछे विभाजनकारी एजेंडा उजागर हुआ है। दरअसल, सरकार ने अप्रैल में लागू किए इस कानून को देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के लिये एक 'धर्मनिरपेक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह' व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से लागू करने की बात कही थी। निस्संदेह, वक्फ बोर्डों पर वर्षों से लग रहे भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, अतिक्रमण, संपत्ति की अवैध बिक्री और हस्तांतरण आदि के आक्षेपों को देखते हुए, प्रशासन में सुधार के लिये नियंत्रण और संतुलन स्थापित करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों को यह आशंका रही है कि तथाकथित सुधारों का दुरुपयोग वक्फ मामलों में हस्तक्षेप करने और यहां तक कि संपत्तियों को जब्त करने के लिये किया जा सकता है। उनकी दृष्टि में एक विवादास्पद प्रावधान केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर–मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से संबंधित रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे सदस्यों की संख्या को सीमित करने का प्रयास किया है। कहा गया कि कानून में पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन न हो सके। दरअसल, विगत में विपक्ष आशंका जताता रहा है कि यह अधिनियम ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है और सांप्रदायिक सद्भाव के लिये खतरा बन सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायालय का अंतिम आदेश कानून से जुड़ी ऐसी तमाम आशंकाओं का समाधान कर सकेगा। देश के मौजूदा परिदृश्य में सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिये वक्फ की समृद्ध क्षमता का दोहन करने पर राजनीतिक और धार्मिक सहमति बनाने की आवश्यकता है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का फैसला पूरी तरह से तार्किक आधार रखता है, जिसे संतुलन के हस्तक्षेप की संज्ञा दी जा रही है। जिससे मुस्लिम पक्ष की कतिपय आशंकाओं को दूर करने का ही प्रयास हुआ है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत द्वारा किए गए संशोधन में संविधान की मूल भावना का ध्यान रखा गया है। इसके अतिरिक्त कोर्ट ने उन प्रावधानों पर भी रोक लगायी है, जो जिलाधिकारी या सरकारी अधिकारी को यह तय करने की शक्ति देते थे कि कोई वक्फ संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं। दरअसल, शीर्ष अदालत का मानना था कि जिलाधिकारी कार्यपालिका का अंग ही होता है। अगर उसे यह शक्ति दी जाती है तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ होगा। जिसके मूल में यह सोच रही है कि लोकतंत्र के तीन आधारभूत स्तंभों विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन कायम रह सके। जाहिर है कि एक स्तंभ को अधिक शक्तियां मिलने से उसके निरंकुश व्यवहार करने की आशंका बनी रह सकती है। इसके अलावा वक्फ करने के न्यूनतम पांच बरस तक इस्लाम के अनुयायी होने वाले प्रावधान के सत्यापन हेतु राज्य सरकारों से नियम बनाने की जरूरत भी बतायी और तब तक इस प्रावधान पर रोक की बात कही। इस दिशा में राज्य सरकारों को विषय की संवेदनशीलता के मद्देनजर कदम उठाने की जरूरत है। बहरहाल, इस मुद्दे पर विपक्ष व कुछ मुस्लिम संगठनों के विरोध का जो आधार रहा है, उन मुद्दों को संवेदनशील ढंग से संबोधित करने का प्रयास शीर्ष अदालत ने किया है। दरअसल, अदालत ने विधायिका की सीमाओं में हस्तक्षेप किए बिना न्यायिक तार्किकता को प्राथमिकता दी है।

शांति प्रयासों की असफलता

संजीव ठाकुर

रूस–यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है।ताजा ताजा यूक्रेन ने 60 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है।

आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है। युद्धों की परिणति से विश्व में आर्थिक विषमताएं तथा असमानताएं बढ़ती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का विकास नहीं हुआ और यह भविष्य की आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब रहा है। रूस–यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है।ताजा ताजा यूक्रेन ने 60 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इसराइल हमास युद्ध में ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैंस परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगेस इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें हैस इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। और यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं अच्छे लगते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है। उत्तर कोरिया इसे अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के हमले के पूर्वाभ्यास की तरह आंकलन कर रहा है। उधर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया अपने त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु एवं मिसाइलों का मुकाबला करने हेतु संयुक्त रुप से बैलेस्टिक मिसाइल निर्माण तथा प्रयोग के सहयोग के लिए सहमति दे चुके हैं। इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है। अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। अमेरिका में चूंकि वर्ष 24 में राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं ऐसे में वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन को अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने के लिए और चुनाव जीतने के लिए एक बहुत बड़े मुद्दे की तलाश जरूर होगी और इसके चलते वह अपनी राजनीतिक साख को बचाने के लिए किसी भी देश से अपनी बादशाहत बचाने के लिए युद्ध कर सकते हैं और जाहिर है कि उनके किसी भी युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस ,आस्ट्रेलिया, इजरायल आंख मूंदकर साथ देने को तैयार होंगे। इधर भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही चीन से परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है दूसरी तरफ भारत रूस का अभिन्न मित्र भी है भारत परंपरागत रूप से रूस का समर्थन करते आया है या अलग बात है कि अमेरिका से उसके संबंध पिछले 10 सालों से काफी मधुर हो गए हैं और वह सदैव शांति का पक्षधर रहा है।

करतारपुर नहीं जा सकेंगे सिख श्रद्धालु

प्रेम शर्मा

केन्द्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से 12 सितंबर को पंजाब और अन्य पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों को एक परामर्श यानी एडवायजरी जारी की गई है। जिसमें कहा गया है, श्पाकिस्तान के साथ मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, नवंबर 2025 में श्री गुरु नानक देव जी के अवसर पर सिख तीर्थयात्रियों के जत्थे को पाकिस्तान भेजना संभव नहीं होगा। लिहाजा, आपसे अनुरोध है कि आप अपने राज्य में सिख संगठनों को उचित सलाह दें और यह सुनिश्चित करें कि जत्थे के आवेदनों पर गौर न किया जाए। इसका मतलब है कि इस साल भारतीय सिख पाकिस्तान में गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब नहीं जा पाएंगे, जो कि उनके आस्था का एक अहम केंद्र है। भारत और पाकिस्तान आपस में चाहे कितने युद्ध कर लें, एक–दूसरे से दुश्मनी निभा लें, लेकिन दोनों तरफ के हुक्मरान चाह कर भी दोनों मुल्कों के साझा इतिहास को बदल नहीं सकते। पाकिस्तान के नारोवाल जिले में स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब इसी साझा संस्कृति की एक मिसाल है। भारत के पंजाब के गुरदासपुर जिले के ऐतिहासिक शहर डेरा बाबा नानक से महज साढ़े चार किमी पर ही यह गुरुद्वारा है। अंग्रेजों ने भारत को बांटने के लिए कागज के नक्शे पर लकीर खींची, तो दिलों पर भी लकीरें बन गईं, लेकिन यह सच किसी लकीर से नहीं मिट पाया कि बार–बार दोनों देशों को एक–दूसरे का सामना करना ही पड़ेगा। राजनैतिक स्वार्थ और सत्ता के अहंकार की तुष्टि के लिए दोनों देशों की शांति और लोगों के अमन–चौन को भंग करने का सिलसिला थमना चाहिए। और यह तभी होगा

जब सीमा के आर–पार सामान्य आवाजाही रहे, व्यापार, खेल, धार्मिक, सांस्कृतिक यात्राएं चलती रहीं। अभी 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ एशिया कप का मैच खेला गया तो इसके पीछे भाजपा नेताओं ने यही कारण बताए कि खेल, कला आदि चलते रहना चाहिए। लेकिन अब धार्मिक यात्रा की बारी आई है तो सुरक्षा कारणों का हवाला देकर इसे रोका जा रहा है। करतारपुर मामूली धार्मिक स्थल नहीं है। यह गुरु नानक देव जी का अंतिम विश्राम स्थल है। यहां उन्होंने अपने जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। ऐसा माना जाता है कि गुरु नानकदेव ने सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब के कई शबद की रचना करतारपुर में की थी। गुरु का लंगर नामक सामुदायिक भोजन भी करतारपुर में ही शुरू किया गया था, जो सिख परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरु नानक देव ने सबसे पहले यहां सिख धर्म के तीन नियमों का पालन किया थारू किरत करो (ईमानदारी से मेहनत करके आजीविका कमाना)य वंड छको (धन, संपत्ति और प्रतिभा को जरूरतमंदों के साथ बांटो) और नाम जपो (पाठ, जप और कीर्तन के माध्यम से ध्यान) को मुक्ति का मार्ग माना जाता है। आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने इस बात को समझा था कि बंटवारे में भले लाखों लोग एक जगह से दूसरी जगह चले गए, लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने अपनी जमीन को छोड़ना मंजूर नहीं किया। इसलिए हिंदुस्तान में कई मुस्लिम बने रहे और पाकिस्तान में कई हिंदू बने रहे। यह जानते हुए भी अब वे अपनी ही जन्मभूमि पर अल्पसंख्यक कहलाएंगे, इन लोगों ने जमीन को मां मानकर उसे नहीं छोड़ा। ऐसे अल्पसंख्यकों पर भविष्य में अत्याचार न हो, इसके लिए 1950 में तत्कालीन प्रधानमंत्रियों प.जवाहर लाल नेहरू और लियाकत अली के बीच छह दिन की लंबी चर्चा के बाद 8 अप्रैल को एक समझौता हुआ, जिसे नेहरू–लियाकत समझौता कहा जाता है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना और बंटवारे के बाद की स्थिति को टालना था। समझौते में यह तय हुआ कि दोनों देश अपने अल्पसंख्यकों के साथ हुए व्यवहार के लिए जिम्मेदार होंगे। जबरन कराए गए धर्म–परिवर्तन मान्य नहीं होंगे। दोनों देश अल्पसंख्यक आयोग का गठन करेंगे। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना थी। हालांकि, यह समझौता पूरी तरह से सफल नहीं हो पाया, लेकिन इसने दोनों देशों के बीच बातचीत और सहयोग के लिए एक मंच तैयार हुआ। 1950 में भारत के सिख तीर्थयात्रियों ने पाकिस्तान के सिख धार्मिक स्थलों की यात्रा की थी। लेकिन अब इसी यात्रा को रोका जा रहा है। जबकि 2019 में मोदी सरकार ने वीजा मुक्त करतारपुर कॉरीडोर बनाया, जो डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से जोड़ता है। इसका उद्देश्य भारतीय सिखों को बिना वीजा के पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन करने की अनुमति देना था। इस कॉरिडोर का उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को हुआ था और भारत और पाकिस्तान के बीच इसके संचालन के समझौते को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जा चुका है। अब ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देकर सिख तीर्थयात्रियों को प्रकाश पर्व पर करतारपुर न जाने की सलाह दी जा रही है। पंजाब में भाजपा को छोड़ बाकी सब दल सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि श्जब पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच हो सकते हैं तो फिर श्रद्धालुओं को करतारपुर साहिब और ननकाना साहिब जाने से क्यों रोका जा रहा है?

ग़ज़ल

डा. पीयूष मिश्र पीयूष - संस्कृत प्रवक्ता, रज्जू भय्या विश्वविद्यालय

बात भी गहरी हुई है जख्म भी गहरा हुआ है।
झूंठ की तलवार से अब सत्य पर पहरा हुआ है।

गलतियों पर गलतियों को देखकर भी आदमी,
आंख पर पट्टी है बांधे कान से बहरा हुआ है।

आइने के सामने नजरें मिलायें वो तो कैसे,
जिनके चेहरे पर यहाँ तो सैकड़ों चेहरा हुआ है।

जीतकर हारा कोई तो कोई जीता हारकर,
वक्त की दहलीज पर हर आदमी ठहरा हुआ है।

एक दिन पीयूष उसकी असलियत सरेआम होगी,
जिसके सर पर दर सफ़र दर झूंठ का सेहरा हुआ है।

शारीरिक,मानसिक स्वास्थ्य में संतुलन का विज्ञान

आयुर्वेद दिवसः 23 सितंबर

आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं है, अपितु यह जीवन, स्वास्थ्य और संतुलन का एक समग्र विज्ञान है। यह मनुष्य को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तर पर स्वस्थ रखने का मार्ग दिखाता है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में आयुर्वेद का ज्ञान बीज रूप में उपलब्ध है। जबकि चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और वाग्भट का अष्टांगहृदय इसके प्रमुख ग्रंथ हैं। आयुर्वेद का मूल उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य और दीर्घायु को सुनिश्चित करना है। उपचार और जीवनशैली सुधार के लिए यह व्यक्ति–केंद्रित चिकित्सा को महत्व देता है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति की प्रकृति जन्म से निर्धारित होती है, जो त्रिदोष वात, पित्त और कफ के अनुपात पर आधारित होती है। यह प्रकृति व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और रोग–संवेदनशीलता की मूलभूत विशेषताओं को निर्धारित करती है। संतुलित दोष स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं, जबकि असंतुलन रोग उत्पन्न करता है। इसी प्रकार त्रिगुण सत्व, रज और तम मानसिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करते हैं। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण में स्वास्थ्य का मूल्य केवल शारीरिक स्थिति तक सीमित नहीं है। सुखी जीवन का अर्थ है शरीर और मन का संतुलन, इंद्रियों का सम्यक् कार्य, उत्साह, तेज और आत्मबल से युक्त पूर्ण व्यक्तित्व, समाज में सम्मान और उत्तरदायित्व का निर्वाह। इसके विपरीत दुखी जीवन रोग, मानसिक असंतुलन और सामाजिक अस्थिरता से ग्रस्त माना गया है। आयुर्वेद धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थ चतुष्टय का मार्गदर्शक भी है। धर्म नैतिक और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा देता है, अर्थ आर्थिक समृद्धि का आधार है, काम जीवन की इच्छाओं और संतोष का मार्ग है तथा मोक्ष आत्मशांति और पूर्णता की दिशा दिखाता है। इस प्रकार आयुर्वेद जीवन को पूर्णता की ओर ले जाने वाला विज्ञान है। आयुर्वेदिक औषधियां केवल चिकित्सीय पदार्थों पर आधारित नहीं होतीं, अपितु उनका उद्देश्य स्वास्थ्य का संरक्षण और जीवन–शक्ति का पोषण भी है। अरिष्ट, आसव, अवलेह, चूर्ण, तैल, घृत और क्वाथ जैसी औषधियां सुरक्षित और प्रभावी मानी जाती हैं। आज के युग में इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सक्रिय घटकों की पहचान, शुद्धता और स्थिरता परीक्षण, क्रोमैटोग्राफिक फिंगरप्रिंटिंग और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन आवश्यक हैं। यह प्रक्रियाएं औषधियों की प्रामाणिकता और चिकित्सीय प्रभावकारिता को विश्व स्तर पर मान्यता दिलाने में सहायक हैं। चरक ने कहा है कि हितकर आहार करने वाला और इंद्रियों पर संयम रखने वाला व्यक्ति छत्तीस हजार रात्रियां अर्थात सौ वर्ष जीवित रहता है। जिस समय प्रयोगशाला परीक्षण जैसे शब्द का अस्तित्व भी नहीं था, उस समय आचार्यों ने रक्ताल्पता के लिए लौह योग का निर्देश दिया और बताया कि रक्तवर्धन में लौह से श्रेष्ठ कोई द्रव्य नहीं है। डायबिटीज का निदान बिना प्रयोगशाला के किया गया और उसके लिए औषधियां बताई गईं। बुखार में गर्म पानी, उदर रोग में ऊंटनी का दूध, यक्ष्मा में बकरी का दूध और नींद लाने में भैंस का दूध का प्रयोग – ऐसे निर्देश आयुर्वेद की अद्वितीय व्यावहारिकता दर्शाते हैं। तेल, घी और जल से बनी सब्जियां हितकर हैं, किंतु पुनः गर्म करने पर विष के समान प्रभावकारी हो जाती हैं। त्रिफला सुबह जल के साथ लेने पर मोटापा घटाता है और रात को शहद के साथ लेने पर नेत्रों के लिए लाभकारी होता है। यह औषधियों की बहुप्रभाविता का उत्कृष्ट उदाहरण है। विष का प्रभाव ऐसा है जैसे जलता हुआ घर, जिसे तुरंत बचाने का प्रयास करना चाहिए। यानी उसी तरह विष की चिकित्सा के प्रति प्रयत्नशील रहना चाहिए। जैसे कमलपत्र पर जल नहीं ठहरता उसी तरह स्वर्ण सेवन करने वाले पर विष का प्रभाव नहीं ठहरता। आत्ययिक रोग (अचानक आया गंभीर रोग) जैसे हिक्का और श्वास रोग विष की भांति तुरंत फैलते हैं। गर्भावस्था में सावधानी का निर्देश समझाने के लिए कहा है कि जैसे किसी को तेल से भरे पात्र को बिना हिलाए ले कर जाना होता है उसी तरह गर्भवती की देखभाल करनी चाहिए। ग्रंथों में नीम हकीम के खतरे को स्पष्ट किया गया है। कहा गया है कि अकुशल शासन के कारण ही नीम हकीम पनपते हैं। इस प्रकार की प्रक्रिया को तांबे का विष पीने से भी अधिक घातक बताया गया है। यह भी कहा गया है कि इन्द्र के वज्र गिरने से कोई बच सकता है लेकिन नीम हकीम से चिकित्सा कराने वाला व्यक्ति नहीं बचता। आयुर्वेद ने नया अनाज रोगकारक बताया है। एक वर्ष पुराना धान्य हितकारी है, जबकि दो वर्ष से अधिक पुराना शक्तिहीन हो जाता है। गुड़ पुराना होने पर बवासीर में लाभकारी है और पुराना घी मानसिक रोगों का नाश करता है। भोजन से पहले घी का सेवन पत्थरी रोग में लाभ पहुंचाता है जबकि श्वास, कास , सिरदर्द व राजयक्ष्मा में भोजन के बाद घी का पान करने का निर्देश है। आयुर्वेद की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके सिद्धांत कभी बदलते नहीं। च्यवनप्राश पहले भी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता था, आज भी बढ़ाता है और भविष्य में भी बढ़ाएगा। आंवला और हल्दी का मिश्रण डायबिटीज में लाभकारी था, है और रहेगा। रात्रि में दही का सेवन पहले भी निषिद्ध था और आज भी है। आयुर्वेद ने निद्रा को जीवन का मूल आधार माना है। सुख–दुःख, पुष्टता–कृशता, बल–अबल, ज्ञान–अज्ञान, यहां तक कि जीवन और मृत्यु भी निद्रा पर ही निर्भर हैं। यदि निद्रा का सेवन असमय, अनुचित मात्रा में या अत्यधिक किया जाए अथवा बिल्कुल न किया जाए, तो यह सुखी जीवन का नाश कर देती है और मृत्यु के समान घातक सिद्ध होती है। इसके विपरीत, समयानुकूल, संतुलित और नियमित निद्रा शरीर और मन दोनों को सुखी, स्वस्थ और दीर्घायु बनाती है। यह बल, प्रजनन–शक्ति, स्मरण–शक्ति और जीवन–ऊर्जा की जननी है। आयुर्वेद केवल औषधियों और उपचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन की समग्र दृष्टि है। आयुर्वेद दिवस पर हमें यह स्मरण करना चाहिए कि यह परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक है। वैज्ञानिक प्रमाणीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से यह संपूर्ण मानवता के लिए स्थायी और प्रभावी स्वास्थ्य समाधान प्रस्तुत कर सकता है।

‘मेरे करियर, कपड़ों और रिश्तों पर हमेशा जज किया गया’, मलाइका अरोड़ा ने शेयर किया अपना दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने लुक्स, लाइफस्टाइल और रिश्तों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हालांकि उन्होंने ज्यादा फिल्में नहीं की हैं, लेकिन वह हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं कभी अपने ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर तो कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर। हाल ही में एक इंटरव्यू में मलाइका ने बताया कि उन्हें उनके हर फैसले पर जज किया गया चाहे वह उनके कपड़े हों, रिश्ते हों या फिर उनका करियर।

‘लोग हमेशा जज करते रहे, अब सफाई देना बंद कर दिया है’

51 साल की मलाइका ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अब उन्होंने खुद को लोगों की बातों से आजाद कर लिया है। उन्होंने कहा, मैंने पहले कोशिश की कि लोगों को समझा सकूं कि मैं जो कर रही हूं, वह क्यों कर रही हूं। लेकिन अब मैंने ये सफाई देना बंद कर दी है। अब मैं वही लिख रही हूं, जो मेरी अपनी कहानी है।

‘बहुत बोल्ड’, ‘बहुत बिंदास’ दृ अब ये लेबल गर्व की बात लगते हैं

मलाइका ने कहा कि उन्हें अक्सर कहा गया कि वह बहुत बोल्ड हैं या बहुत आउटस्पोकन हैं। लेकिन अब वह इन शब्दों को अपमान की नजर से नहीं देखतीं, बल्कि गर्व के साथ अपनाती हैं। अगर मैं किसी के लिए ‘ज्यादा’ हूं, तो शायद वो मेरे लिए ‘कम’ हैं, उन्होंने ये कहकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया।

रिश्तों को लेकर भी झेली आलोचना

मलाइका ने अरबाज खान से तलाक लेने के बाद अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर काफी ट्रोलिंग झेली। लोगों ने उनके पर्सनल चॉइसेज पर सवाल उठाए। लेकिन अब वह इन सब बातों से ऊपर उठ चुकी हैं। उन्होंने कहा लोग मेरे रिश्तों को लेकर बातें बनाते रहे, लेकिन अब मैं सिर्फ अपने लिए जीती हूं।

काम में भी दिखती है उनकी असली जिंदगी

मलाइका कहती हैं कि वह ऐसे प्रोजेक्ट चुनती हैं जो उनकी असल जिंदगी से जुड़े होते हैं। हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक ब्रांड के नए कैंपेन ‘व्र्द प्ज’ का हिस्सा बनकर इसे साबित किया। मैंने कभी कोई तय रास्ता नहीं अपनाया। फैशन हो या फिटनेस दृ मैंने वही चुना जो मेरे दिल को ठीक लगा। अब मैं किसी और को इंप्रेस करने के लिए नहीं, बल्कि खुद के लिए जी रही हूं। ‘सेल्फ–डाउट से भी गुजरती हूं, लेकिन खुद से दयालु रहना सीखा’ मलाइका ने यह भी कबूल किया कि वह भी कभी–कभी आत्म–संदेह से गुजरती हैं। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं खुद पर शक करती हूं। लेकिन अब मैंने उन पलों को नकारने की बजाय उन्हें दयालुता से अपनाना सीखा है। मेरे लिए आत्मविश्वास का मतलब ये नहीं कि कभी संदेह न हो दृ बल्कि इसका मतलब है कि संदेह होने के बावजूद आगे बढ़ना।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में परिवार की विरासत को साथ रखेंगे विक्रांत मैसी, दादा की घड़ी पहनकर लेंगे अवॉर्ड

फिल्म और टीवी एक्टर विक्रांत मैसी इन दिनों अपने करियर के एक सबसे खास पड़ाव पर हैं। एक्टर जल्द ही फिल्म 12वीं फेल में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में बेस्ट एक्टर का सम्मान अपने नाम करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि विक्रांत इस पुरस्कार समारोह की तैयारी में एक पर्सनल टच जोड़ने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में विक्रांत मैसी अपने दादा की घड़ी पहनेंगे, जो उनके लिए एक कीमती पारिवारिक चीज है। ऐसे में विक्रांत को राष्ट्रपति भवन में अवॉर्ड लेते समय अपने परिवार की विरासत का एक हिस्सा साथ लेकर जाते हुए देखना उनके फैंस के लिए गर्व और प्रेरणा साबित होने वाला है। यह पुरस्कार समारोह दिल्ली में 23 सितंबर को आयोजित होगा। बात करें विक्रांत मैसी की फिल्म की तो फिल्म 12वीं फेल में विक्रांत की किरदार को गहराई से निभाने की क्षमता को खूबसूरती से दिखाया। उनके द्वारा फिल्म में निभाए गए मनोज कुमार शर्मा के किरदार ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बना ली है।

पीएम मोदी की बायोपिक मां वंदे का ऐलान, उन्नी मुकुंदन पर्दे पर बनेंगे प्रधानमंत्री, बर्थडे पर जारी हुआ फर्स्ट लुक

17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां बर्थडे है। इस खान दिन पर उनकी बायोपिक का ऐलान किया गया है। प्रोडक्शन बैनर सिल्वर कास्ट क्रिएशंस ने अपकमिंग बायोपिक मां वंदे का ऐलान किया है। मलयालम एक्टर उन्नी मुकुंदन इस फिल्म में पीएम मोदी का किरदार निभाएंगे। मां वंदेश बायोपिक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिंदगी के पूरे सफर को दिखाया जाएगा।इसकी कहानी नरेंद्र मोदी और उनकी मां श्रीमती हीराबेन मोदी के बीच गहरे रिश्ते को भी दिखाएगी। ये फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और पीएम मोदी के बचपन से लेकर देश के सम्मानित नेता बनने तक के उनके जीवन के उतार–चढ़ाव को दर्शाएगी। मां वंदे का निर्देशन क्रांति कुमार सीएच करेंगे। सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी केके सेंथिल कुमार की होगी जो बाहुबली और ईगा जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन काम के लिए जाने जाते हैं। म्यूजिक रवि बसरूर का होगा जबकि एडिटिंग श्रीकर प्रसाद करेंगे। उन्नी मुकुंदन ज्यादातर मलयालम फिल्मों में काम करते हैं। उन्होंने साल 2011 में ममकंद से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वो मल्लू सिंह, टपातंउंकपजीलंद, गुरुदान जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। साल 2021 में बतौर प्रोड्यूसर डमचचंकपलंद फिल्म के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड जीता था। 2024 में आई उनकी मार्को भी खूब तहलका मचा चुकी है।

नागा चैतन्य से तलाक के बाद काम को तरसी सामंथा रुथ,इंडस्ट्री ने किया ब्लैकलिस्ट! लक्ष्मी मांचू ने दिया हिंट

एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू इस समय अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। लक्ष्मी मांचू ने एक इंटरव्यू में सुपरस्टार और तलाकशुदा एक्ट्रेस के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इस एक्ट्रेस को तलाक के बाद से काम नहीं मिल रहा है। एक्ट्रेस ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि ये और कोई नहीं बल्कि सामंथा रुथ प्रभु है। लक्ष्मी मांचू ने हिंट दिया कि तलाक के बाद से उस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और जो फिल्में थीं वो भी वापस ले ली गईं। लक्ष्मी मंचू के इंटरव्यू की बात करें तो वह बोलीं, श्एक सुपरस्टार की पूर्व पत्नी है, जो यहां काम करती है। उसका तलाक हो गया है, और तब से, उसे जो फिल्में ऑफर हुई थीं वो भी छीन ली गई हैं। उसे यही कहा जाता है कि उसे लिया तो उन्हें (नागा चौतन्य) बुरा लग सकता है और वो कुछ बोल सकते हैं। उसे अच्छे ऑफर्स का इंतजार है और मुझे उसका नाम लेने की जरूरत नहीं है। रिपोर्टर ने जब लक्ष्मी मांचू से सवाल किया कि वह सामंथा की बात कर रही हैं? तो एक्ट्रेस बोलीं– श्आप सोच रहे हैं कि सामंथा ही हैं। कोई एक सुपरस्टार नहीं है। लगभग पांच–छह सुपरस्टार्स का तलाक हो चुका है। और मैं उन सभी के करीब हूं लेकिन मेरा पॉइंट ये है कि अगर किसी पुरुष के साथ ऐसा कुछ होता है तो उसकी जिंदगी कभी नहीं बदलेगी। लेकिन एक महिला जब शादी कर ले और उसके बच्चे हो जाएं ससुरालवाले हों तो उस पर बहुत सारी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। कोई हमें आजादी नहीं देता। हमें खुद ही सब कुछ सहना पड़ता है। गौरतलब है कि सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2017 में तेलुगू सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे नागा चौतन्य से शादी की थी। 2021 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद से सामंथा का करियर लुढ़कने लगा। उन्हें नाम मात्र की फिल्में मिल रही हैं और जो भी रिलीज हुईं वो औसत ही रहीं।

पहली फिल्म से रातों–रात स्टार बन गई थीं शबाना आजमी, आज मना रहीं 75वां जन्मदिन

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी आज यानी की 18 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मना रही हैं। शबाना आजमी आर्ट और कमर्शियल फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखा चुकी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में हर तरह की भूमिका निभाई है। आज के समय में उनकी गिनती सिनेमा जगत की बेहतरीन अदाकाराओं में की जाती है। वहीं वुमन ओरिएंटेड फिल्मों में भी शबाना आजमी का कोई जवाब नहीं है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री शबाना आजमी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

हैदराबाद में 18 सितंबर 1950 को शबाना आजमी का जन्म हुआ था। उन्होंने एफटीआईआई से अपनी पढ़ाई पूरी की। जब शबाना छोटी थीं, तो वह अभिनेता शशि कपूर की बहुत बड़ी फैन थीं। एक्ट्रेस ने एक बार बताया था कि शशि कपूर के लिए उनकी दीवानगी कुछ ऐसी थी कि वह उनकी तस्वीरों को खरीदने के लिए पॉकेट मनी बचाया करती थीं और फिर उसी तस्वीर पर उनका ऑटोग्राफ लिया करती थीं।

फिल्मी करियर

एक्ट्रेस ने श्याम बेनेगल की फिल्म श्अंकुरश से फिल्मों में कदम रखा और इस फिल्म से शबाना आजमी रातों–रात स्टार बन गईं। इस फिल्म के लिए अभिनेत्री को पहला नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। अंकुर के बाद अभिनेत्री को पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़ा और वह आर्ट फिल्मों का चेहरा बन गईं। आर्ट के बाद शबाना आजमी ने कमर्शियल फिल्मों में भी काम किया और खूब नाम कमाया। एक्ट्रेस ने अपने 60 साल के फिल्मी करियर में करीब 160 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है।

पुरस्कार

साल 1982 से 1984 तक तीन साल लगातार शबाना आजमी ने अर्थ, कंधार और पार के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार अपने नाम किया। उस समय एक्ट्रेस निर्देशकों की पहली पसंद हुआ करती थीं। कला फिल्मों से अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली शबाना ने कई कमर्शियल फिल्मों में भी बेहतरीन काम किया और खूब नाम कमाया।

हमारे फेवरेट जना उर्फ अभिषेक बैनर्जी 20 साल बाद कर रहे हैं थिएटर में वापसी

फिल्म स्त्री फ्रेंचाइजी में ‘जना’ के नाम से मशहूर अभिनेता अभिषेक बनर्जी 20 साल बाद अपनी पहली मोहब्बत–थिएटर–में वापसी करने जा रहे हैं। बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी पहचान बनाने से पहले, अभिषेक ने दिल्ली में स्टेज नाटकों से अपना सफर शुरू किया था। अब दो दशक बाद, वह अपने पुराने थिएटर साथियों के साथ मिलकर तू क्या है नामक व्यंग्यात्मक कॉमेडी का एकल मंचन करेंगे, जो इस महीने मुंबई के मशहूर एनसीपीए में होगा। यह नाटक उन अनगिनत सपने देखने वालों पर एक तीखा व्यंग्य है, जो कलाकार बनने के सपनों के लिए अपने घर और आरामदायक जीवन को पीछे छोड़ देते हैं। उनकी यात्राओं में दर्द, बेतुकापन और संघर्ष के पल शामिल होते हैं, जहाँ त्रासदी और कॉमेडी की रेखा धुंधली हो जाती है। समय के साथ ये संघर्ष किस्सों में बदल जाते हैं, जैसे जिंदगी खुद एक मंचित मजाक हो। इस सोलो परफॉर्मेंस में, अभिषेक अपने ही सफर को व्यंग्य का विषय बनाते हुए महत्वाकांक्षा, समाज और आत्म–मूल्य की खामियों को हास्य और सच्चाई के साथ पेश करते हैं। तू क्या है तीन हिस्सों में बँटा है एक साधारण मध्यमवर्गीय भारतीय घर, जहाँ कला को सिर्फ शौक समझा जाता हैय मुंबई के मनोरंजन जगत की भागदौड़ और मजाकिया अव्यवस्थाय और रात की खघमोशी में गूंजने वाले आंतरिक संघर्ष। अभिषेक बनर्जी ने कहा, ”थिएटर ने मुझे बतौर कलाकार साँस लेना सिखाया। यह मुझे लय, सच्चाई और बिना डर के असफल होना सिखाता है। पिछले 20 सालों से मैं किरदारों का पीछा कर रहा था, कहानियाँ सुना रहा था और सिनेमा में करियर बना रहा था, लेकिन कहीं न कहीं मंच हमेशा मुझे वापस बुला रहा था। तू क्या है मेरे लिए बहुत व्यक्तिगत है क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आईना है, और शायद उन सबके लिए भी है जिन्होंने कभी खुद से सवाल किया हो। यह उस देर रात की फुसफुसाहट के बारे में है–‘तू क्या है?’– जब रोशनी बुझ जाती है और तालियाँ थम जाती हैं। पुराने थिएटर दोस्तों के साथ मंच पर लौटना एक सर्कल पूरा करने जैसा है, या शायद एक नया शुरू करने जैसा। मेरे लिए यह सिर्फ एक नाटक नहीं है, यह घर वापसी है।“ तू क्या है हँसी, सोच–विचार और सच्ची कहानी कहने से भरी एक ऐसी शाम का वादा करता है, जहाँ अभिषेक बनर्जी की जबरदस्त मंच मौजूदगी हर दर्शक से जुड़ती है।

डांडिया और गरबा नाइट्स के लिए घर बैठे पाएं ट्रेंडी लहंगा–चोली

आगामी शारदीय नवरात्रि 2025 के लिए डांडिया और गरबा नाइट्स की शानदार तैयारी हेतु, यह लेख अमेजन पर उपलब्ध लहंगा–चोली के बेहतरीन विकल्पों पर प्रकाश डालता है। पटोला और बंधनी प्रिंट के साथ सिल्क व तुसर सिल्क फैब्रिक में डिजाइनर चनिया चोली के संग्रह से आप अपना रॉयल और आकर्षक लुक पा सकती हैं। दुर्गा पूजा के लिए भी ये आउटफिट्स उपयुक्त हैं।

लंबे समय से लोग नवरात्रि फेस्टिवल का इंतजार करते हैं। इस दौरान पूरे भारत में जगह–जगह पर मां दुर्गा के पंडाल लगे होते हैं और इसके साथ ही लोग डांडिया और गरबा खेलने के लिए भी एक्साइटेड रहते हैं। गरबा और डांडिया के लिए ट्रेडिशनल आउटफिट जरुर चाहिए होती है। लहंगा–चोली पहनकर महिलाएं मूल्स और भी शानदार करती है। अगर आप भी डांडिया नाइट्स की तैयारी में जुटी है और रॉयल लुक वाले लहंगा–चोली की तलाश कर रही हैं, तो यह लेख आपके लिए है। अमेजन एप से इन चनिया चोली को जरुर खरीदें।

ऑर्डर करें ये लहंगा–चोली

सिल्क लंहगा चोली सेट

डांडिया नाइट्स में जलवा बिखरने के लिए आप ऑनलाइन शॉपिंग एप अमेजन से सिल्क फैब्रिक वाला लहंगा–चोली ले सकते हैं। पटोला प्रिंट और फॉइल वर्क इसको शानदार बना दिया है। यह डिजाइनर लंहगा चोली सेट बहुत ही खूबसूरता है। इसे आप जल्द ही खरीद लें।

यहां से खरीदें

अमेजन पर यह लहंगा बेहद ही खूबसूरत और आकर्षक लग रहा है। पटोला प्रिंट के साथ सिल्क फैब्रिक से बना लहंगा चोली और दुपट्टा डांडिया नाइट और गरबा के लिए एकदम परफेक्ट है। इसे चाहे आप दुर्गा पूजा में भी पहन सकते हैं।

यहां से खरीदें

बंधनी प्रिंट लहंगा चोली सेट

अगर आप भी गरबा और डांडिया नाइट्स में जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप अमेजन से बंधनी प्रिंट वाला लहंगा चोली को खरीद सकते हैं। यह लहंगा एकदम ट्रेंडी है जो तुसर सिल्क फोइल प्रिंट और बंधनी प्रिंट लहंगा चोली हैं, जिसे पहनकर आप काफी खूबसूरत नजर आएगी।

सोने से पहले नाभि पर लगा लें ये तेल, चेहरे पर कभी नहीं दिखेगा बढ़ती उम्र का असर

खूबसूरत कौन नहीं दिखना चाहती? आजकल महिलाएं सुदर दिखने के लिए क्या कुछ नहीं करती हैं। आप भी अपनी सुंरदता को बरकरार रखना चाहती हैं तो महंगे प्रोडक्ट्स को छोड़ नाभि पर बस तिल का तेल लगाना शुरु कर दीजिए। नानी और दादी का ये नुस्खा कुदरती ग्लो लाने में बेहद ही असरदार है।

तिल के तेल के फायदे

सोने से पहले हल्का गुनगुना तिल का तेल नाभि में लगाने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इससे त्वचा पर प्राकृतिक ग्लो आता है। तिल का तेल मॉइस्चराइजिंग गुणों से भरपूर है। यह अंदर से स्किन को पोषण देता है और रूखापन खत्म करता है। इसके

नियमित प्रयोग से चेहरे के दाग–धब्बे, झाइयाँ और पिगमेंटेशन धीरे–धीरे हल्के होने लगते हैं।

एंटी–एजिंग गुण

तिल के तेल में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को झुर्रियों और समय से पहले बुढ़ापे के लक्षणों से बचाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार नाभि शरीर का केंद्र है। इसमें तेल लगाने से शरीर का वात–पित्त–कफ संतुलित रहता है, जिससे स्किन और हेल्थ दोनों पर असर पड़ता है।

इस्तेमाल का तरीका

– रात को सोने से पहले तिल का तेल हल्का गुनगुना करें।

–2–3 बूंद नाभि में डालें और हल्के हाथों से मसाज करें।

–नियमित करने पर 2–3 हफ्तों में फर्क दिखने लगता है।

जामुन खाने के बाद बीज फेंकते हैं? अब न करें गलती, इस बीमारी से मिल सकता है छुटकारा

गर्मियों का मौसम आते ही जामुन बाजारों में खूब दिखाई देने लगता है। अपने खास स्वाद और गुणों के चलते यह फल हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। जामुन के फलों को तो लोग चाव से खाते हैं, लेकिन इसके बीजों को अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो अब सतर्क हो जाइए, क्योंकि जामुन के बीज सेहत के लिए किसी औषधि से कम नहीं हैं। विशेष रूप से डायबिटीज यानी मधुमेह के मरीजों के लिए जामुन के बीज बेहद लाभकारी माने जाते हैं। आयुर्वेद में भी इन बीजों का उपयोग वर्षों से किया जाता रहा है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए कैसे फायदेमंद हैं जामुन के बीज?

जामुन के बीजों में जैम्बोलीन और जैम्बोसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। ये दोनों तत्व शरीर में ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। ये तत्व ग्लूकोज के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं, जिससे शुगर का स्तर अचानक नहीं बढ़ता। इसके अलावा, यह बीज शरीर की इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाने में सहायक होते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने पर डायबिटीज के मरीजों को दवाओं पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

जामुन के बीजों का इस्तेमाल कैसे करें?

जामुन के बीजों को उपयोग में लाने के लिए सबसे पहले उन्हें इकट्ठा कर लें। बीजों को अच्छी तरह धोकर धूप या छांव में सुखा लें। सूख जाने के बाद इन्हें पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को एयरटाइट डिब्बे में स्टोर कर सकते हैं। इस पाउडर का रोजाना सुबह खाली पेट आधा चम्मच सेवन हल्के गुनगुने पानी के साथ करना फायदेमंद माना जाता है।

अन्य स्वास्थ्य लाभ

जामुन के बीज सिर्फ डायबिटीज ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में भी लाभकारी होते हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। यह लीवर को डिटॉक्स करने, पाचन क्रिया को बेहतर बनाने और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा बदलते मौसम में वायरल संक्रमण और सर्दी–जुकाम जैसी समस्याओं से भी यह राहत दिलाने में सहायक हो सकते हैं। जामुन एक औषधीय गुणों से भरपूर फल है, और इसके बीज भी अनमोल हैं। अगली बार जब आप जामुन खाएं तो उसके बीजों को फेंकने की बजाय उनका उपयोग करना शुरू करें। खासकर यदि आप डायबिटीज से पीड़ित हैं, तो यह आपके लिए एक प्राकृतिक और कारगर उपाय साबित हो सकता है।

आपकी सिंपल कुर्ती में चार चांद लगाएंगी ये लेटेस्ट सलवार डिज़ाइन, हर कोई करेगा तारीफ

हर लड़की को सलवार–सूट पहनना काफी ज्यादा पसंद होता है। सलवार सूट कैरी करने के बाद आपकी लुक ट्रेडिशनल नजर आता है। वैसे तो मार्केट में कई तरह के डिफरेंट सूट मिल रहे हैं। जिनको आप अपनी पसंद के हिसाब से पहन सकती हैं। यह एक ऐसा पहनावा है, जिसको आप कॉलेज, ऑफिस या वेडिंग फंक्शन कहीं भी पहनकर जा सकती हैं। आजकल महिलाएं भी साड़ी की जगह सूट पहनना अधिक पसंद करती हैं। कुर्ती के संग बॉटम में कोई लैगी तो कुछ पटियाला सलवार तो कोई नॉर्मल सलवार पहनता है।

आजकल मार्केट में कई तरह की डिजाइनर सलवार मिलती हैं। जिनको आप अपनी सिंपल कुर्ती के साथ पहनकर अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आप ऑनलाइन या ऑफलाइन रेडीमेड यह सलवार खरीद सकती हैं। इसमें आपको फ्री साइज मिलता है। यह सलवार हर बॉडी टाइप पर फिट बैठती है। ऐसे में अगर आप भी सिंपल कुर्ती में अपने लुक को कंफर्टेबल और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ डिफरेंट स्टाइल वाली सलवार दिखाने जा रहे हैं, जिनको कैरी करके आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

पोंचू सलवार

आजकल पोंचू सलवार पैटर्न काफी ज्यादा ट्रेंड में है। इस सलवार का बॉटम नीचे से कम फैला होता है। आप इसको आसानी से पहनकर चल सकती हैं। पोंचू सलवार कैरी करने में भी काफी आरामदायक होती है। हालांकि इस सलवार का पूरा लुक प्लेन होता है और नीचे की तरफ कोई लेस का बॉर्डर लगवा सकती हैं। इस तरह से आपका लुक काफी ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। इस सलवार को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद सकती हैं। पोंचू सलवार आपको 250 से 400 रुपए की कीमत में आसानी से मिल जाएगी। इसके साथ आप मोजड़ी जूती कैरी कर सकती हैं।

चुन्नटदार एम्ब्रॉयडरी सलवार

अगर आपको प्लेन कुर्ती के साथ अपने लुक को गॉर्जियस बनाना है, तो इसके लिए आप चुन्नटदार एम्ब्रॉडरी वाली सलवार जरूर खरीदें। आजकल यह सलवार काफी ज्यादा डिमांड में है। इस सलवार का नीचे का हिस्सा काफी ज्यादा संकरा होता है। अगर आप इस सलवार को शॉर्ट कुर्ती के साथ कैरी करती हैं, तो इससे आपका लुक क्लासी नजर आता है। इस तरह की चुन्नटदार एम्ब्रॉयडरी सलवार यंग गर्ल्स के लिए पहली पसंद होती है। ऑनलाइन में यह सलवार आपको 300 से 500 रुपए के बीच में मिल जाएगी। इसके साथ आप हाई हील्स फुटवियर कैरी कर सकती हैं।

थ्रेड वर्क सलवार

अगर आपको अपना लुक एलिगेंट रखना है, आप किसी भी सिंपल कुर्ती को कंट्रास्ट कलर की थ्रेड वर्क सलवार संग कैरी कर सकती हैं। यह सलवार आपको ब्यूटीफुल लुक देती है। इस सलवार का घेर एकदम नॉर्मल होता है और यह अधिकतर आपको कॉटन फैब्रिक में मिलती है। इस पर थ्रेड के साथ मिरर का भी वर्क होता है। ऐसे में इस सलवार का लुक काफी ज्यादा प्यारा लगता है। ऑनलाइन में यह सलवार 200 से 450 रुपए की कीमत में मिल जाएगा। आप इसके साथ राजस्थानी बीड्स वाली फ्लैट फुटवियर कैरी कर सकती हैं।

बोरिंग ब्रेकफास्ट को कहें अलविदा, बच्चों की फेवरेट बनेगी ये लाजवाब पोहा गोली इडली

हर दिन की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई व्यस्त रहता है। ऐसे में बिजी जिंदगी में कई बार हम कुछ ऐसी रेसिपीज बनाने के बारे में सोचते हैं, जो कम समय में जल्दी बनकर तैयार हो जाएं। हालांकि अन्य दिनों की तुलना में वीकेंड पर पूरी फैमिली थोड़ा फ्री रहती है। जिसके चलते हम टेस्टी रेसिपीज बनाने का सोचते हैं। लेकिन मन में सवाल यह आता है कि ऐसी क्या यूनिक रेसिपी बनाई जाए, जिसको खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करे और फैमिली मेंबर्स बार–बार उस डिश को खाने की डिमांड करें।

अगर आप भी हर बार एक जैसा ब्रेकफास्ट खाकर बोर हो चुकी हैं, तो आज हम आपके लिए एक यूनिक रेसिपी लेकर आए हैं। जिसको आपके घर में बच्चे से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आएगी और स्वाद लेकर खाएंगे। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ पोहा गोली इडली रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। ऐसे में इस वीकेंड पर आप भी पोहा गोली इडली बनाकर अपनी फैमिली को सरप्राइज दे सकती हैं।

सामग्री

पोहा– 1 कप (पिसा हुआ)

सूजी– 2 कप

चना दाल– 1 चम्मच

उड़द दाल– 1 चम्मच

सरसों के दाने– 1 चम्मच

करी पत्ता– 8–10

देसी घी– तडके के लिए

सूखी लाल मिर्च– 2–3

नमक– स्वादानुसार

पोहा गोली इडली रेसिपी

सबसे पहले मिक्सर जार में पोहा डालकर पीस लें।

फिर एक बाउल में पोहा निकाल लें।

अब उसी बाउल में सूजी निकालकर उसमें तेल, नमक और गर्म पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें।

इसके बाद इस मिश्रण को गूंथ कर आटे की तरह तैयार कर लें।

इस आटे को करीब 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

जब आटा नरम और चिकना गूंथना है।

इस आटे की छोटी–छोटी गोलियां बना लें।

इस गोली इडली को आपको स्टीम करना है।

फिर एक पैन में घी गरम कर लें।

अब इसमें उड़द दाल और चना दाल डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

इसमें लाल मिर्च, करी पत्ता और सरसों के दाने डालकर भूनें और फिर ऊपर से गोली इडली डालें।

इस आसान तरीके से पोहा गोली इडली बनकर तैयार हो जाएगी।

अब आप इसको चटनी के साथ सर्व करें।

संक्षिप्त

यमुना एक्सप्रेसवे के पास दो बड़ी कंपनियों को जमीन आवंटन के लिए आशय पत्र जारी

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने दो बड़ी कंपनियों को क्षेत्र में जमीन आवंटित करने के लिए बुधवार को आशय पत्र (एलओआई) जारी किया। यीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर के सिंह ने कहा कि एलओआई जारी होने के बाद दोनों कंपनियां निवेश मित्र के माध्यम से परियोजना की विस्तृत जानकारी सरकार के समक्ष पेश करेंगी। उन्होंने कहा कि उच्च–स्तरीय समिति की मंजूरी मिलने के बाद भूमि का आवंटन किया जाएगा और इसके बाद संयंत्रों का निर्माण शुरू होगा। आरपी–संजीव गोयनका समूह ने 3,000 करोड़ रुपये के निवेश से 60 मेगावाट के निजी उपयोग वाले सौर ऊर्जा भंडारण (ईएसएस) संयंत्र के साथ तीन मेगावाट की सौर सेल और एकीकृत सौर पारिस्थितिकी केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। परियोजना से 1,200 से अधिक प्रत्यक्ष और 4,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होंगे और घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ेगा। इसके साथ ही मिंडा कॉरपोरेशन लिमिटेड यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में अपना दूसरा संयंत्र लगाएगी। कंपनी यहां वाहनों के वायरिंग हार्नेस,सेंसर और कनेक्टर आदि का उत्पादन करेगी। इसमें 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। परियोजना से करीब 5,000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सिंह ने कहा कि ये निवेश नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे और रोजगार सृजन में योगदान करेंगे।

आयकर विभाग ने मैरिको समूह के खिलाफ सर्वेक्षण अभियान शुरू किया

आयकर विभाग ने बुधवार को कर चोरी के आरोप में मैरिको समूह के विभिन्न शहरों में स्थित व्यावसायिक परिसरों में सर्वेक्षण अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई विभाग की मुंबई जांच इकाई द्वारा की जा रही है। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए मैरिको ने देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, आज आयकर विभाग के कुछ

अधिकारियों ने देश में कंपनी के कुछ कार्यालयों और विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया। मैरिको ने कहा कि कार्रवाई चल रही है और कंपनी अधिकारियों को अपना पूरा सहयोग दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि आयकर विभाग की टीमों ने कर चोरी की जांच के तहत कंपनी के वित्तीय दस्तावेजों और लेनदेन की जांच की। कंपनी ने कहा कि आयकर विभाग की कार्रवाई से कंपनी के व्यावसायिक संचालन पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है। उसने कहा कि अगर इस विषय पर कोई और महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है, तो वह उसकी जानकारी शेयर बाजार को आवश्यक देगी। सर्वेक्षण अभियान के तहत, कर विभाग जांच के अंतर्गत इकाई के व्यावसायिक परिसर का औचक दौरा करता है।

सोना रिकश्वर्ड स्तर से 1,300 रुपये फिसलकर 1.13 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी भी टूटी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के चलते बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से 1,300 रुपये फिसलकर 1,13,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,300 रुपये की गिरावट के साथ 1,13,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया।

मंगलवार को, दिल्ली सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली इस कीमती धातु की कीमत 1,800–1,800 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,15,100 रुपये और 1,14,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गई थी। फेडरल रिजर्व के महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले से पहले मुनाफावसूली के चलते सोने में कमजोरी रही, क्योंकि प्रतिभागियों ने नतीजों से पहले जोखिम कम कर दिया। बाजार में सतर्कता का माहौल बना हुआ है, क्योंकि बाजार न केवल ब्याज दरों में कटौती का बल्कि फेडरल रिजर्व के आगे के दिशानिर्देशों का भी इंतजार कर रहे हैं। एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष रिसर्च शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''बिना किसी स्पष्ट रूपरेखा के कोई भी तटस्थ रुख या कम नरम रुख वाली टिप्पणियां सर्राफा बाजार में कुछ प्रतिशत की गिरावट ला सकती हैं।'' चांदी ने भी अपनी बढ़त गंवा दी और मुनाफावसूली के चलते यह नीचे आ गई। बुधवार को चांदी 1,670 रुपये गिरकर 1,31,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले सत्र में, इसने 570 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 1,32,870 रुपये प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया था। वैश्विक स्तर पर, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक से पहले निवेशकों के सतर्क रहने के कारण, सोने और चांदी में भी नए शिखर छूने के बाद गिरावट देखी गई। नीति की घोषणा बाद में की जाएगी। मंगलवार को 3,703.23 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर को छूने के बाद हाजिर सोना लगभग एक प्रतिशत गिरकर 3,664.82 डॉलर प्रति औंस रह गया। चांदी भी करीब तीन प्रतिशत टूटकर 41.38 डॉलर प्रति औंस रह गई।

भारत के बाद पाकिस्तान टीम भी सुपर–4 में पहुंची, यूएई और ओमान का सफर समाप्त

पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर–4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई।

दुबई। पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 41 रन से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर–4 चरण के लिए क्वालिफाई कर लिया। बुधवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 146 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 17.4 ओवर में सिर्फ 105 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद को दो–दो विकेट मिले। वहीं, सैम अयूब और सलमान आगा ने एक–एक सफलता अपने नाम की।

ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान सुपर–4 में पहुंचे

ग्रुप ए से भारत और पाकिस्तान की टीमों ने सुपर–4 में प्रवेश कर लिया। भारत ने अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की और चार अंक व +4.793 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है। अब टीम का ग्रुप चरण में तीसरा मुकाबला 19 सितंबर को ओमान से होना है। वहीं, पाकिस्तान की टीम ने अपने तीनों मुकाबले खेल लिए। पहले मैच में उसने ओमान को 93 रन से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। हालांकि, भारत के हाथों रविवार यानी 14 सितंबर को उसे मुंह की खानी पड़ी। तीसरे मैच में वापसी करते हुए पाकिस्तान ने यूएई को हरा दिया और चार अंक व +1.790 के नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर रही। यूएई और ओमान की टीमें क्रमशरू तीसरे और चौथे पायदान पर रहीं।

फखर जमां और शाहीन अफरीदी के अलावा नहीं चला कोई बल्लेबाज

करो या मरो मुकाबले में पाकिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। साहिबजादा फरहान और सैम अयूब की सलामी जोड़ी महज नौ रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गई थी। इसके बाद मोर्चा फखर जमां ने संभाला। उन्होंने 36 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 50 रन बनाए और इस मैच में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। वहीं, छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। निचले क्रम में एक बार फिर शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम को सम्मानजनक स्कोर तर पहुंचाया। उन्होंने 14 गेंदों का सामना किया और तीन चौके व दो छक्के की मदद से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने चार और सिमरनजीत सिंह ने तीन विकेट झटके। वहीं, ध्रुव पराशर को एक सफलता मिली।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा यूएई का बल्लेबाजी क्रम

147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम बेरंग नजर आई। उनके बल्लेबाज पाकिस्तानी गेंदबाजों के खिलाफ विकेट पर टिकने के लिए संघर्ष करते दिखे। यूएई के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल चोपड़ा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। वहीं, तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए जबकि चार खिलाड़ी दहाई आंकड़ा भी नहीं छू पाए। यूएई की टीम के लिए अलीशान शराफू ने 12, मुहम्मद वसीम ने 14, ध्रुव पराशर ने 20, हैदर अली ने छह, सिमरनजीत सिंह ने एक और मुहम्मद रोहिद ने दो रन बनाए।

सुपर–4 मैच में भी हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया, 'नो- हैंडशेक' पर पाकिस्तान फिर करेगा ड्रामा

एशिया कप में 2024 के सुपर–4 में 21 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर मुकाबला खेला जाएगा। लेकिन इस मैच से पहले ही कयास लगाए जा रहे हैं कि, पाकिस्तान एक बार फिर बड़ा ड्रामा कर सकता है। दरअसल, इससे पहले बुधवार को यूएई के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने खूब ड्रामा किया। पीसीबी की तरफ से टूर्नामेंट के बॉयकॉट की गीदड़भभकी और तमाम नौटंकियों के बाद आखिरकार एक घंटे की देरी में मैच हुआ। जिस रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने के लिए पाकिस्तान ने इतना सारा ड्रामा किया, वो टूर्नामेंट से हटना तो दूर, यूएई के खिलाफ मैच में वो रेफरी की भूमिका में दिखे। हालांकि, पाकिस्तान और यूएई के बीच मुकाबला खेला गया जिसे पाकिस्तान ने जीतकर सुपर–4 में जगह बना ली। अब रविवार यानी 21 सितंबर को दोनों चिर–प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान एक बार फिर आमने–सामने होंगे। लीग नहीं, सुपर 4 के मुकाबले में। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान उस मैच में भी ड्रामा करेगा? इसके जवाब में कहा जा सकता है कि, नहीं। पाकिस्तान ने बुधवार की ड्रामेबाजी के बाद न सिर्फ यूएई से मैच खेलने को तैयार हुआ बल्कि आने वाले सुपर–4 मैच में भारत के नो–हैंडशेक वाले रुख को मानने के लिए भी तैयार हो गया। संयोग से यूएई से मैच जीतने के बाद पाकिस्तानी टीम सुपर–4 में पहुंच गई है जहां उसका मुकाबला भारत से होगा। भारतीय टीम का रुख

साफ है। वह सुपर–4 मैच में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाएगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने पीसीबी और पायक्रॉफ्ट के बीच मध्यस्थता की। उस दौरान पायक्रॉफ्ट ने कथित तौर पर पाकिस्तानियों अधिकारियों से कहा कि उन्होंने तो सलमान अली आगा को शर्मिंदगी से बचाया क्योंकि भारत ने पहले ही कह रखा था कि सूर्यकुमार यादव उनसे हाथ नहीं मिलाएंगे।

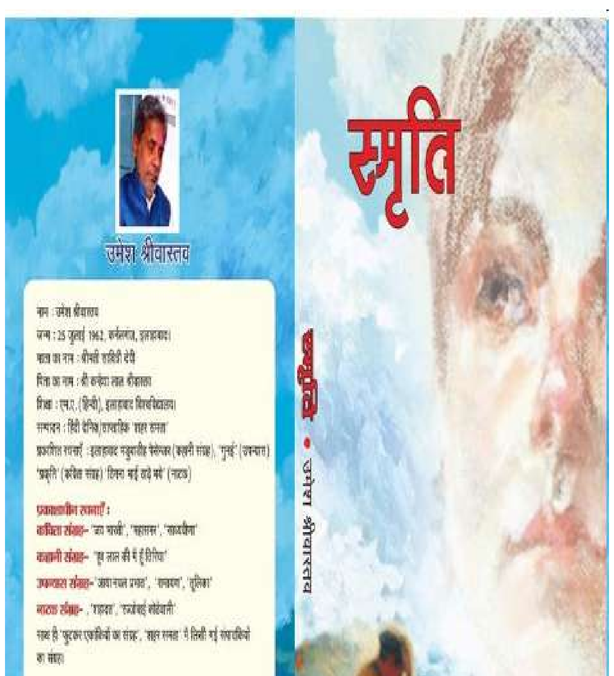

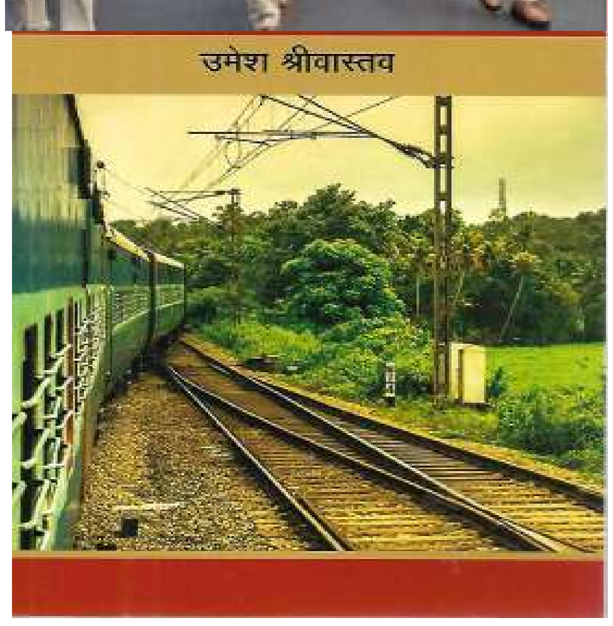

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

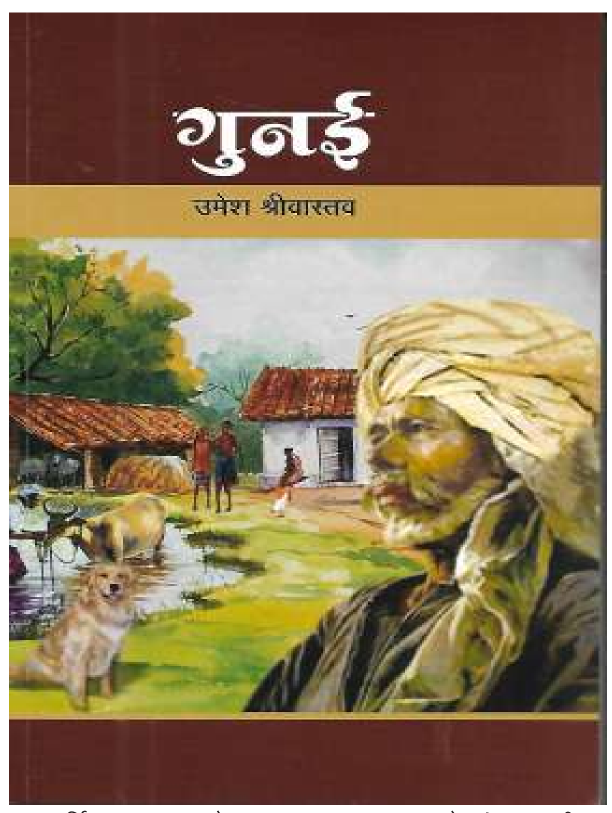

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

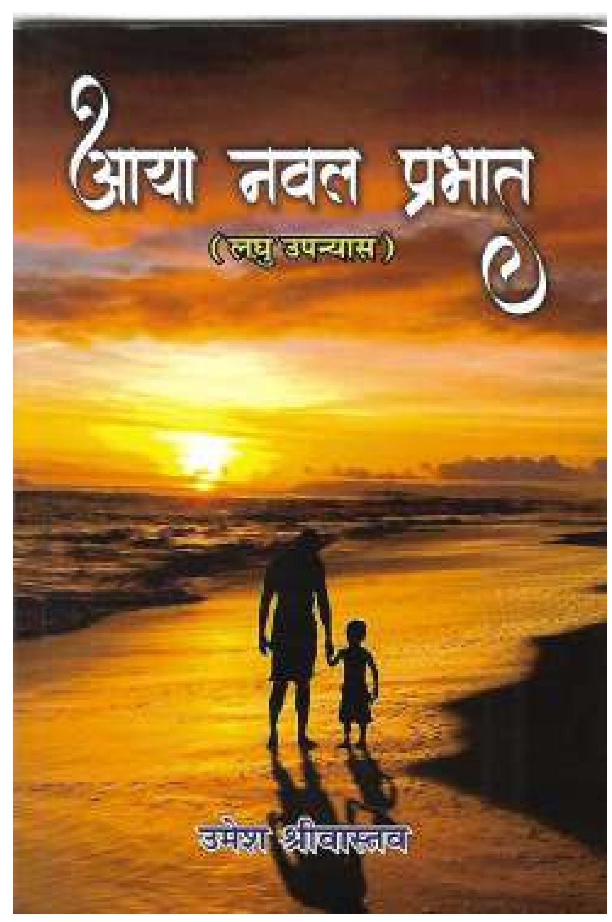

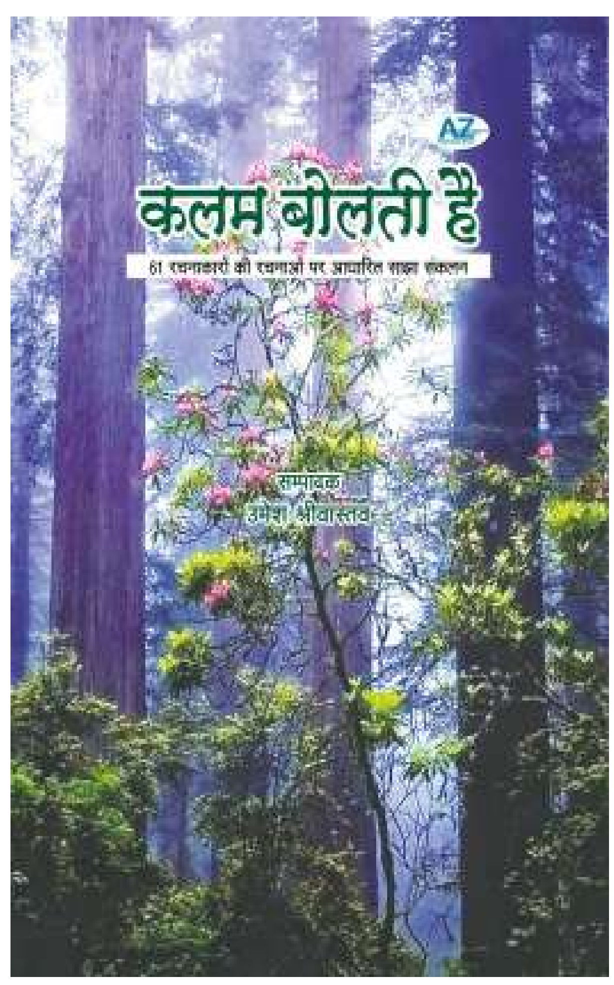

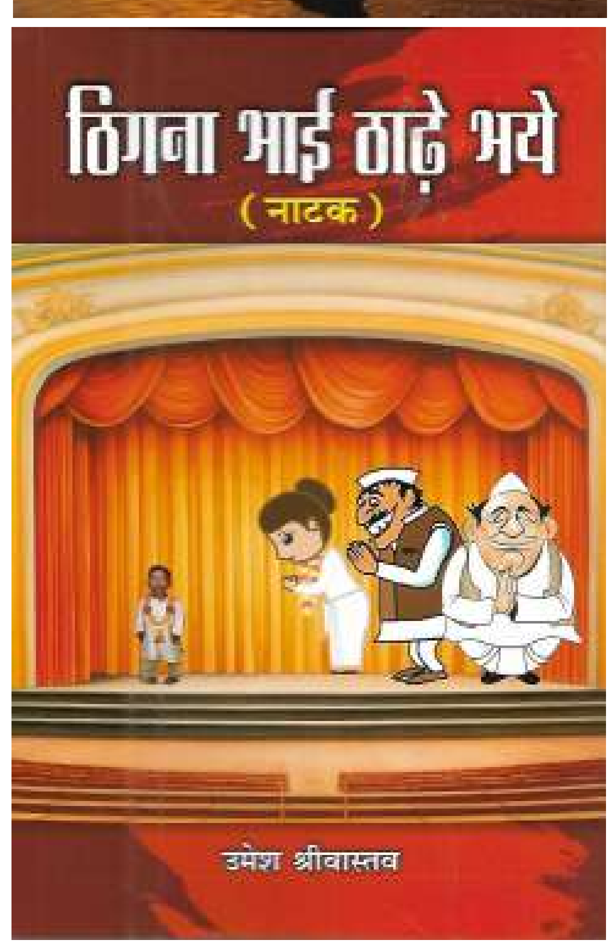

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने हमलों के खिलाफ किए संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। मीडिया खबरों में यह जानकारी दी गई। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते' पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की रियाद की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए

गए। यहां अल–यममाह पैलेस में क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने उनका स्वागत किया। 'डॉन' अखबार के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक बयान में कहा गया है कि समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की गई, जिसमें कहा गया कि दोनों में से किसी एक देश के खिलाफ किसी भी तरह के आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। हस्ताक्षर समारोह के बाद जारी एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''लगभग आठ दशकों से चली आ रही साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए तथा भाईचारे, इस्लामी एकजुटता और साझा रणनीतिक हितों के बंधनों पर आधारित दोनों पक्षों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।'' इससे पहले सऊदी राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री शरीफ का स्वागत रियाद के उप–गवर्नर मुहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन अब्दुलअजीज ने किया।

ट्रंप की ब्रिटेन की दूसरी राजकीय यात्रा के दौरान विरोध प्रदर्शन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बुधवार को विंडसर कैसल में शाही स्वागत किया गया, लेकिन साथ ही कैसल के बाहर कई प्रदर्शनकारियों ने उनकी अभूतपूर्व दूसरी राजकीय यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई हजार लोगों ने ट्रंप की यात्रा का विरोध करने के लिए मध्य लंदन में मार्च किया। ट्रंप का अपनी इस यात्रा के दौरान ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक भव्य भोज में शामिल होने के साथ ही प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर के साथ एक बैठक करने का भी कार्यक्रम है। 'स्टॉप ट्रंप यूके कोएलिशन' द्वारा आयोजित प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने नस्लवाद को ना, ट्रंप को ना लिखे बैनर लिया हुआ था। प्रदर्शनकारी संसद की ओर जाने वाली रीजेंट स्ट्रीट की ओर बढ़े। लंदन के पुलिस बल ने 1,600 कर्मियों को तैनात किया था क्योंकि उन्हें लगभग 50 विभिन्न समूहों के सदस्यों के आने की आशंका थी, जिनमें जलवायु, नस्लवाद विरोधी और फलिस्तीन समर्थक कार्यकर्ता शामिल थे। ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया हेलीकॉप्टर से विंडसर कैसल पहुंचे, जहां चार्ल्स तृतीय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और इस दौरान सैन्य बैंड ने अमेरिका और ब्रिटेन के राष्ट्रगान बजाये। कैसल के बाहर, कई लोगों ने पूरे दिन विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि बड़ी संख्या में पुलिस बल की उपस्थिति और घटना को कवर करने वाले अंतरराष्ट्रीय समाचार दल की तुलना में उनकी संख्या कम थी। विंडसर में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमें से एक को आपातकालीन कर्मचारी पर हमला करने और धमकी देने के आरोप में तथा दूसरे को सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन और हमले के संदेह में गिरफ्तार किया गया।

ब्रिटिश दूत बिरेल बोले, भारत–ब्रिटेन FTA व्यापार के लिए गेमचेंजर साबित होगा

मुंबई स्थित ब्रिटिश उप–उच्चायोग में दक्षिण एशिया के व्यापार सलाहकार मार्क बिरेल ने गुरुवार को कहा कि भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का उद्देश्य टैरिफ कम करके, गैर–टैरिफ बाधाओं को कम करके और सीमा शुल्क व डिजिटल प्रक्रियाओं को सरल बनाकर व्यापार को यथासंभव निर्बाध बनाना है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक व्यापार परिदृश्य राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, बिरेल ने कहा कि यह व्यापार को यथासंभव आसान और निर्बाध बनाने के बारे में है। एफटीए सीमा शुल्क प्रक्रियाओं

में सुधार और डिजिटल व्यापार को आसान बनाने के बारे में है। बेरिल ने कहा कि जुलाई में दोनों देशों के नेताओं की मौजूदगी में हस्ताक्षरित एफटीए समझौता यूके और भारत के बीच मज़बूत व्यापारिक संबंधों का एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही महसूस कर सकते हैं कि जैसे–जैसे हम अनुसमर्थन प्रक्रिया से गुज़र रहे हैं और मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, भविष्य में ऐसा और भी होने की उम्मीद है। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा कि यह टैरिफ कम करता है, गैर–टैरिफ बाधाओं को कम करता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एंटीफा आंदोलन को किया 'आतंकवादी संगठन' घोषित

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार (स्थानीय समय) को घोषणा की कि वह एंटीफा, एक फासीवाद–विरोधी आंदोलन को षप्रमुख आतंकवादी संगठनष के रूप में नामित करने जा रहे हैं। एंटीफा, 'एंटी–फासिस्ट्स' (फासीवाद विरोधी) का संक्षिप्त रूप है, जो अति–वामपंथी उग्रवादी समूहों के लिए एक व्यापक शब्द है न कि कोई एक संगठन है। ये समूह खासतौर से प्रदर्शनों के दौरान फासीवादियों और नव–नाजियों का विरोध करते हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन एक विकेन्द्रीकृत आंदोलन को आतंकवादी संगठन कैसे घोषित करेगा तथा व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) ने बुधवार को तत्काल इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

एंटीफा को आतंकवादी संगठन घोषित करेंगे ऐसे में ट्रंप ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर गए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बुधवार रात को यह घोषणा की। उन्होंने एंटीफा को श्बीमार, खतरनाक, उग्रवादी वामपंथी आपदाश करार दिया और इसके वित्तपोषकों की जांच की सिफारिश करने की बात भी कही। एंटीफा एक घरेलू समूह है और इसलिए विदेश विभाग की विदेशी आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल होने के लिए उपयुक्त नहीं है। इस्लामिक स्टेट और अल–कायदा जैसे आतंकवादी संगठनों समेत कई समूह इस सूची में शामिल हैं। लेकिन यदि इस समूह को आतंकवादी संगठन का दर्जा मिलता है तो न्याय विभाग उन लोगों पर मुकदमा चला सकता है जो ऐसे समूहों को समर्थन प्रदान करते हैं।

एंटीफा क्या है?

यह कट्टरपंथी कार्यकर्ताओं का एक गुप्त समूह है जो हाल के वर्षों में उभरा है। इसके आधिकारिक नेताओं के बारे में ज्ञात नहीं है। इसके सदस्य, अक्सर पूरी तरह से काले कपड़े पहने हुए, नस्लवाद, अति–दक्षिणपंथी मूल्यों और जिसे वे फासीवाद मानते हैं, उसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हैं, और कहते हैं कि हिंसक

रणनीति को कभी–कभी आत्मरक्षा के रूप में उचित ठहराया जाता है। एंटीफ़ा शब्द डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में पहले कार्यकाल के दौरान प्रमुखता से उभरा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के दस्तावेज़ संग्रह में उपलब्ध एक दस्तावेज़ के अनुसार, एंटीफ़ा शब्द एंटी–फ़ासीस्ट का संक्षिप्त रूप है। दस्तावेज़ में कहा गया है कि एंटीफ़ा ष्कोई अत्यधिक संगठित आंदोलन नहीं है, न ही यह केवल एक विचार है। एंटीफ़ा संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ अन्य देशों में फैले स्थानीय कार्यकर्ताओं का एक ढीला–ढाला संगठन है।ष दस्तावेज़ के अनुसार, एंटीफ़ा का कोई आधिकारिक राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं है, हालाँकि इसके अनुयायी छोटे–छोटे स्थानीय समूहों में संगठित हो गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने एंटीफ़ा की तुलना एक आतंकवादी संगठन से की है। उन्होंने 2020 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ऐसा ही सुझाव दिया था, खासकर मिनियापोलिस में जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद अमेरिका में हुए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में।

पृष्ठभूमि

एंटीफ़ा सदस्य स्वयं को एक विरोध परंपरा का हिस्सा मानते हैं जो द्वितीय विश्व युद्ध से पहले नाज़ी जर्मनी और फ़ासीवादी इटली के विपक्षी समूहों से जुड़ी है। अमेरिका में एंटीफ़ा की सक्रियता की जड़ें उन नस्लवाद–विरोधियों से जुड़ी हैं, जो 1980 के दशक में नस्लवादी स्किनहेड्स, कू क्लक्स क्लान (क्लान) के सदस्यों और नव–नाज़ियों की गतिविधियों का विरोध करते हुए लामबंद हुए थे।

अमेरिका में एंटीफ़ा समूह 12 अगस्त, 2017 को वर्जीनिया के चार्लोट्सविले में श्वेत वर्चस्ववादियों और उनके विरोधियों, जिनमें एंटीफ़ा समर्थक भी शामिल थे, के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में एंटीफ़ा समूहों को प्रमुखता मिली। पिछले कुछ वर्षों में ये समूह विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में, खासकर उन रैलियों में, जिनमें अति–दक्षिणपंथी सदस्य शामिल होते हैं, तेज़ी से सक्रिय हो रहे हैं। उदाहरण के लिए, जून 2016 में, एंटीफ़ा और अन्य प्रदर्शनकारियों ने कैलिफ़ोर्निया के सैक्रामेंटो में एक नव–नाज़ी रैली का विरोध किया, जिसमें कम से कम पाँच लोगों को चाकू मार दिया गया था। फरवरी, मार्च और अप्रैल 2017 में, एंटीफा सदस्यों ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों पर ईंटों, पाइपों, हथौड़ों और घर में बने आग लगाने वाले उपकरणों से हमला किया। जुलाई 2019 में, स्वयंभू एंटीफा, विलियम वैन स्प्रोन्सन ने वाशिंगटन के टैकोमा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन निरोध केंद्र पर प्रोपेन टैंक से बमबारी करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे मार गिराया। अपने पहले कार्यकाल से ही, ट्रम्प पुलिस के खिलाफ हिंसा से लेकर 6 जनवरी, 2021 को अमेरिकी कैपिटल में दंगा भड़काने तक, अपनी नापसंदगी के कई कार्यों के लिए एंटीफा को दोषी ठहराते रहे हैं। ट्रम्प के पूर्व एफबीआई निदेशक, क्रिस्टोफर रे ने 2020 में गवाही में कहा था कि एंटीफा एक विचारधारा है, न कि एक संगठन, जिसमें वह पदानुक्रमित संरचना नहीं है जिसके आधार पर संघीय सरकार इसे आतंकवादी समूह घोषित कर सकती है।

अपने सदाबहार आतंक निर्यातक दोस्त के साथ फिर खड़ा हुआ चीन

बलूचिस्तान के खिलाफ यूएन में इस प्रस्ताव को दिया समर्थन

पाकिस्तान की सेना की जो भद पिट रही है। उसने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की नींद हराम कर दी है। शहबाज की सांसे फूल रही हैं। धड़कने बढ़ रही हैं। वहीं मुनीर को तो मुंह दिखाने के लायक ही नहीं छोड़ा गया है। पहले तो भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया। अब टीटीपी और बीएलए पाकिस्तान की बखिया उधेड़ रहे हैं। आए दिन बीएलए के लड़ाके पाकिस्तानी जवानों को निशाना बना रहे हैं। उन्हें भागने पड़ मजबूर कर रहे हैं। यहां तक तो ठीक था लेकिन उसके बाद खबर ये आई कि पाकिस्तानी सेना के 500 से ज्यादा जवानों ने बीएलए के सामने घुटने टेक दिए। अपनी बंदूकों को जमीन पर रख दिया और रहम की भीख मांग रहे हैं। पाकिस्तान में बलूचों का जलवा ऐसा है कि आसिम मुनीर भी बगले झांक रहा है। ऐसे में अब पाकिस्तान ने अपने सदाबहार

मित्र चीन के साथ मिलकर बीएलए पर लगाम लगाने का तरीका निकाला है। खबर है कि पाकिस्तान और चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विद्रोही समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड को परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत ''आतंकवादी इकाई'' के रूप में नामित करने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा कि इस्लामिक स्टेट–खोरासन (आईएसआईएल–के), अल–कायदा, तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बीएलए और मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकवादी संगठन अफगान ठिकानों से संचालित हो रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान 2025–26 कार्यकाल के लिए 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है, जबकि चीन इस शक्तिशाली निकाय का स्थायी सदस्य है और उसके पास वीटो का अधिकार है। पाकिस्तान 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता कर रहा है और आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी है। अहमद ने कहा कि अफगान तालिबान प्रशासन को आतंकवाद–रोधी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करना होगा। मजीद ब्रिगेड की स्थापना 2011 में हुई थी। यह बीएलए की आत्मघाती इकाई है, जो मुख्यतः पाकिस्तान में सुरक्षा बलों और चीनी हितों को निशाना बनाती है। पिछले महीने, अमेरिका ने भी बीएलए और मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) के रूप में सूचीबद्ध किया था। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, 2024 में बीएलए ने कराची हवाई अड्डे और ग्वादर पोत प्राधिकरण परिसर के पास आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी ली थी। उसने 2025 में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाइजैक करने की जिम्मेदारी भी ली थी, जो क्वेटा से पेशावर जा रही थी। इस घटना में 31 नागरिक और सुरक्षा कर्मी मारे गए थे और 300 से अधिक यात्रियों को बंधक बना लिया गया था।

उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया के तट पर डूबी नाव, IOM बोला– ग्रीस जा रहे 50 प्रवासियों की मौत

काहिरा। लीबिया के तट के पास रविवार को एक नाव हादसे में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। यह नाव सूडान के शरणार्थियों को लेकर ग्रीस जा रही थी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने गुरुवार को जानकारी दी कि नाव में अचानक आग लग गई और वह डूब गई। यह हादसा लीबिया के पूर्वी तट पर

तोब्रुक शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर समुद्र में हुआ। आईओएम के मुताबिक, इस नाव में कुल 75 शरणार्थी सवार थे। अब तक 24 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बाकी लापता हैं।

शव बरामद करने का प्रयास जारी

लीबिया रेड क्रेसेंट ने सोमवार को बताया कि उसे तोब्रुक के अधिकारियों से आपातकालीन कॉल मिली थी। इसके बाद बचावकर्मी कम्बोट बीच (तट से 60 किलोमीटर पश्चिम) और कांबेस क्षेत्र (तट से 90 किलोमीटर पूर्व) से शव बरामद कर रहे हैं। हालांकि यह साफ नहीं है कि मिले शव उसी डूबी हुई नाव के यात्रियों के हैं या नहीं।

लीबिया– प्रवासियों के लिए खतरनाक रास्ता

लीबिया लंबे समय से युद्ध और गरीबी से भाग रहे अफ्रीका और मध्य पूर्व के लोगों के लिए यूरोप जाने का प्रमुख रास्ता रहा है। यहां से प्रवासी समुद्र के रास्ते इटली या ग्रीस पहुंचने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह यात्रा बेहद खतरनाक होती है। नावें अक्सर ओवरलोड होती हैं और खराब मौसम या तकनीकी खराबी के कारण डूब जाती हैं।

क्या है एंटीफा? जिसे राष्ट्रपति ट्रंप ने चार्ली किर्क की हत्या के बाद आतंकी संगठन घोषित किया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की कि वह वामपंथी समूह एंटीफा को एक प्रमुख आतंकवादी संगठन घोषित कर रहे हैं और साथ ही चेतावनी दी कि इसे वित्तपोषित करने वालों की कानूनी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार जांच की जाएगी। ट्रंप ने एंटीफा को एक बीमार, खतरनाक, कट्टरपंथी वामपंथी आपदा बताकर संबोधित किया।

एंटीफा क्या है?

यह धुर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं का एक गुप्त समूह है जो हाल के वर्षों में उभरा है। इसके आधिकारिक नेताओं के बारे में जानकारी नहीं है। इसके सदस्य, अक्सर पूरी तरह से काले कपड़े पहने हुए, नस्लवाद, अति–दक्षिणपंथी विचारधारा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हैं। ये संगठन दक्षिणपंथी विचारधारा को फासीवादी मानता है। ये संगठन हिंसक रणनीति को कभी–कभी आत्मरक्षा के रूप में उचित ठहराते हैं। एंटीफा सदस्य खुद को एक विरोध परंपरा का हिस्सा मानते हैं जिसका नाता द्वितीय विश्व युद्ध से पहले नाजी जर्मनी और फासीवादी इटली के विपक्षी समूहों से माना जाता है। अमेरिका में एंटीफा साल 1980 के दशक में सक्रिय हुए, जब नस्लवाद और नव–नाजियों की गतिविधियों के विरोध में लोग लामबंद हुए। हालांकि इनकी गतिविधियां सीमित रहीं। 12 अगस्त, 2017 को वर्जीनिया के चार्लोट्सविले में श्वेत वर्चस्ववादियों और उनके विरोधियों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद अमेरिका में एंटीफा को प्रमुखता से चर्चा मिली। दावा किया गया कि श्वेत वर्चस्ववादियों का विरोध करने वालों में एंटीफा समर्थक भी मौजूद थे।

हाल के वर्षों में अमेरिका में तेजी से सक्रिय हुए एंटीफा सदस्य

पिछले कुछ वर्षों में एंटीफा के सदस्य विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में सक्रिय हुए हैं, खासकर अति–दक्षिणपंथी सदस्य की रैलियों के खिलाफ ये रैली निकालते हैं। जून 2016 में, एंटीफा और अन्य प्रदर्शनकारियों ने कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में एक नव–नाजी रैली का विरोध किया, जिसमें हुई हिंसा में कम से कम पांच लोगों को चाकू मार दिया गया। फरवरी, मार्च और अप्रैल 2017 में, एंटीफा सदस्यों ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में अति–दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों पर हमले किए।

ट्रंप हिंसा की कई घटनाओं के लिए एंटीफा पर लगा चुके हैं आरोप

जुलाई 2019 में, कथित एंटीफा सदस्य विलियम वैन स्प्रोन्सन ने वाशिंगटन के टैकोमा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन हिरासत केंद्र पर बमबारी करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे मार गिराया। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल से ही पुलिस के खिलाफ हिंसा और यहां तक कि 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटल में दंगे के लिए भी एंटीफा को ही जिम्मेदार ठहराते आए हैं। अब चार्ली किर्क की हत्या के बाद ट्रंप ने एंटीफा को आतंकी संगठन घोषित कर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बड़ी दुर्घटना टली, लंदन जाते हुए दूसरे विमान से टकराने से बचा ट्रंप का एयर फोर्स वन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन मंगलवार को लंदन जाते समय एक बड़ी दुर्घटना का शिकार होने से बच गया। दरअसल लंदन जाते हुए एयर फोर्स वन न्यूयॉर्क के आसमान में एक अन्य यात्री विमान के बेहद करीब आ गया। समय रहते ट्रैफिक कंट्रोलर ने यात्री विमान के पायलट को अलर्ट किया और उसके बाद विमान ने अपना रास्ता बदला। राष्ट्रपति ट्रंप एक राजकीय यात्रा पर मंगलवार को लंदन के लिए रवाना हुए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।